संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 86
पृष्ठ 8
शनिवार
14 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दियों में धूप सेंकने ...   विचार- संसद को ठप करती.....   खेल- पैट कमिंस ने भारतीय....

संगम नगरी में पीएम मोदी बोले : महाकुंभ एकता का महायज्ञ है, इसमें हर भेदभाव की दी जाती आहुति

प्रयागराज, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम के रूप में महाकुंभ की सफलता के लिए कुंभ कलश का पूजन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महाकुंभ 2025 के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाकुंभ एकता का महाकुंभ है जो दुनिया को संदेश देगा। महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। पीएम मोदी ने संगम को प्रणाम किया। यहां दिन रात काम कर रहे कर्मचारियों और सफाई कर्मियों का अभिनंदन करता हूं। विश्व का इतना बड़ा आयोजन हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ एक नया महानगर बसाने का महाभियान प्रयागराज की धरती पर नया इतिहास रचा

जा रहा है। पीएम मोदी बोले कि गांवों, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। सामूहिकता की ऐसी शक्ति, ऐसा समागम शायद ही कहीं ओर देखने को मिले। यहां आकर संत–महंत, ऋषि–मुनि, ज्ञानी–विद्वान, सामान्य मानवी सब एक हो जाते हैं, सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, सम्प्रदायों का टकराव मिट जाता है। करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं। कुंभ जैसे भव्य और दिव्य आयोजन को सफल बनाने में स्वच्छता की बहुत बड़ी भूमिका है। महाकुंभ की तैयारियों के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया गया है, प्रयागराज शहर के सैनिटेशन और वेस्ट मैनेजमेंट पर फोकस किया गया है। लोगों को जागरूक करने के लिए गंगादूत, गंगा प्रहरी और गंगा मित्रों की नियुक्ति की गई है। इस बार 15 हजार से ज्यादा मेरे सफाईकर्मी भाई–बहन कुंभ की स्वच्छता को संभालने वाले हैं। मैं आज कुंभ की तैयारी में जुटे अपने सफाईकर्मी भाई–बहनों का अग्रिम आभार भी व्यक्त करता

● महाकुंभ हजारों वर्ष से चली आ रही सांस्कृतिक आध्यात्मिक यात्रा का जीवंत प्रतीकः पीएम मोदी

हूं। पीएम मोदी ने कहा कि किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुंभ, मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। ये चेतना स्वतः जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने–कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। इसलिए मैं फिर एक बार कहता हूं कि ये महाकुंभ, एकता का महायज्ञ है। जिसमें हर तरह के भेदभाव का आहुति दी जाती है। यहां संगम में डुबकी लगाने वाला हर भारतीय एक भारत–श्रेष्ठ भारत की अद्भुत तस्वीर प्रस्तुत करता है। पीएम मोदी ने कहा कि महाकुंभ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन है जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है।

माघ मकरगत रबि जब होई।
तीरथपतिहिं आव सब कोई

प्रधानमंत्री बोले, ये केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है। प्रयाग के बारे में कहा गया है– माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई।। अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महाऋषि प्रयाग में आ जाते हैं। ये वो स्थान जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते। प्रयागराज वो स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं में की गई है। पीएम मोदी ने कहा, हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। ये गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है। प्रयाग वो है, जहां पग–पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग–पग पर पुण्य क्षेत्र हैं।

संविधान नागरिकों के कल्याण के लिए है, कांग्रेस ने इसे 'हाईजैक' कर लिया : राजनाथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत का संविधान सभी वर्गों के कल्याण के लिए है और सबको समान अधिकार देता है, गरीब को शीर्ष पद पर बैठने की अनुमति देता है लेकिन इस संविधान को आज एक पार्टी 'हाईजैक' करना चाहती है, संविधान पर अपना एकाधिकार मानती है और मौका मिलते ही इसी संविधान का अपमान करती है। श्री सिंह ने लोकसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत का संविधान सब नागरिकों को एक समान अधिकार देता है और देश की संस्कृति तथा परंपरा को अक्षुण्ण रखने की अनुमति देता है। संविधान में कमल का फूल है और भगवान राम की तस्वीर है, जो दर्शाता है कि हमारा संविधान हमारी परंपरा और विरासत का वाहक है और मोदी सरकार इन्हीं मूल्यों का अनुसरण कर देश के विकास के लिए सबको साथ लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि संविधान को अंगीकार करने के 75 साल पूरे होने पर आज संदन में चर्चा की जा रही है। भारत के स्वतंत्रता सेनानियों और आम भारतीयों ने जो सपना देखा था वह आज के दिन पूरा हुआ था। इसी दिन 26 नवंबर को भारत सरकार ने अपना संविधान अंगीकार किया था और देश में राजतंत्र, ब्रिटिश तंत्र समाप्त होकर लोकतंत्र आ गया था। इस मौके पर सदन तथा देशवासियों को बधाई देते हुए उन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लेने वाले महान देशभक्तों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि हमारा संविधान सार्वभौम है जो नागरिकों को संवैधानिक और मौलिक अधिकार प्रदान करता है। हमारा संविधान राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं को छूते हुए देश के लिए सबको समान अधिकार देने का रास्ता प्रदान करता है तथा सबको मिलजुलकर काम करने की अनुमति प्रदान करता है। संविधान धर्म और कर्तव्य के निर्वहन का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान भारत को एक आदर्श राष्ट्र बनाने, राष्ट्रीय एकता, देश के विकास, नागरिकों की गरिमा सुरक्षित करने तथा राष्ट्र को आर्थिक और सांस्कृतिक विकास का रोड मैप है। हमारा संविधान सभी नागरिकों के कल्याण की अनुमति देता है और इसी का परिणाम है कि देश के गरीब परिवार में जन्मा व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी बन सकता है। यह संविधान भारत के नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करता है और उन्हें सम्मान से जीने का अधिकार देता है।

संसद भवन पर हमले के शहीदों को मोदी की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन पर आज के ही दिन आतंकवादी हमले के समय भवन की सुरक्षा–व्यवस्था की रक्षा का कर्तव्य निभाते हुए वीरगति को प्राप्त जवानों को शहीदों को शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने संविधान सदन (पुराने संसद भवन) की दीवार पर लगे इन शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति और अधिकारी तथा शहीदों के परिजन उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, "वर्ष 2001 के संसद हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका बलिदान हमारे देश को सदैव प्रेरणा देगा। हम उनके साहस और समर्पण के लिए हमेशा आभारी रहेंगे।" याद रहे कि 13 दिसंबर, 2001 को लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) और जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े आतंकवादियों के हमले में संसद भवन परिसर में तैनात दिल्ली पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक जगदीश, मतबर, कमलेश कुमारी, नानक चंद और रामपाल, दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश, बिजेंद्र सिंह और घनश्याम शहीद हो गये थे तथा सीपीडब्ल्यूडी के माली देशराज की मौत हो गयी थी।

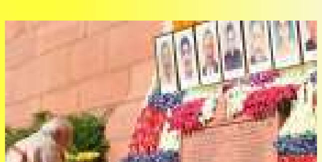

दिल्ली के छह स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के छह स्कूलों को शुक्रवार सुबह ईमेल के जरिये बम से उड़ाने की धमकी मिली। अधिकारियों को सूचित किए जाने के तुरंत बाद स्कूलों में मौजूद छात्रों को घर भेज दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा, "बम का पता लगाने वाली टीम और अग्निशमन अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गये।" उन्होंने बताया कि पश्चिम विहार में भटनागर इंटरनेशनल स्कूल, श्रीनिवासपुरी के कैम्ब्रिज स्कूल, अमर कॉलोनी स्थित डीपीएस, डिफेंस कॉलोनी केसाउथ दिल्ली पब्लिक स्कूल, एसजे एन्क्लेव डीपीएस और रोहिणी स्थित वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल को सुबह 4रू30 से 8रू30 बजे के बीच धमकियां मिलीं। गौरतलब है कि एक सप्ताह के भीतर यह स्कूलों में बम की धमकी से संबंधित दूसरी घटना है। सप्ताह की शुरुआत में भी राष्ट्रीय राजधानी के कुछ स्कूलों को भी ईमेल के जरिये बम की धमकी मिली थी।

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटालाः शीर्ष अदालत ने दी पूर्व मंत्री को जमानत

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में कथित शिक्षक भर्ती घोटाले के मुख्य आरोपी राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से दर्ज धन शोधन मामले में एक फरवरी, 2025 से शुक्रवार को जमानत दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने यह आदेश पारित करते हुए कहा, "याचिकाकर्ता को एक फरवरी 2025 को रिहा किया जाएगा। यदि आरोप तय करने और गवाहों की जांच पहले की जाती है तो उन्हें उसके तुरंत बाद रिहा कर दिया जाएगा।" पीठ ने यह भी कहा कि श्री चटर्जी को विधानसभा के सदस्य के अलावा किसी भी सार्वजनिक पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा।

संविधान सुरक्षा कवच है, भाजपा ने इसे तोड़ने का काम किया : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में अपने पहले भाषण में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने मौजूदा सरकार पर भारत के संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया। संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान बोलते हुए, प्रियंका ने जोर देकर कहा कि सरकार के कार्य संविधान में निहित मूल मूल्यों को नष्ट कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि संविधान राष्ट्र की आवाज़ के रूप में कार्य करता है, इसके लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों का मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में इन्हें (भाजपा) हारते–हारते जीतने से एहसास हुआ कि इस देश में संविधान बदलने की बात नहीं चलेगी। प्रियंका गांधी ने कहा कि संभल के शोक संतप्त परिवारों के कुछ लोग हमसे मिलने आये थे। इनमें दो बच्चे भी थे– अदनान और उज़ैर। उनमें से एक मेरे बेटे की उम्र का था और दूसरा उससे छोटा, 17 साल का था। उनके पिता एक दर्जी थे। दर्जी

का एक ही सपना था – वह अपने बच्चों को पढ़ाएगा, एक बेटा डॉक्टर बनेगा और दूसरा भी सफल होगा। पुलिस ने उनके पिता को गोली मार दी। 17 वर्षीय अदनान ने मुझसे कहा कि वह बड़ा होकर डॉक्टर बनेगा और अपने पिता के सपने को साकार करेगा। यह सपना और आशा उनके दिल में भारत के संविधान ने पैदा की थी। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि हमारा संविधान सुरक्षा कवच है। ऐसा श्सुरक्षा कवचश जो नागरिकों को सुरक्षित रखता है– ये न्याय का, एकता का, अभिव्यक्ति के अधिकार का कवच है। उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि 10 साल में बड़े–बड़े दावे करने वाले सत्ता पक्ष के साथियों ने इस कवच को तोड़ने की तमाम कोशिशें कीं। संविधान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का वादा करता है। ये वादे एक सुरक्षा कवच हैं और इसे तोड़ने का काम शुरू हो गया है। लैटरल एंट्री और निजीकरण के जरिए यह सरकार आरक्षण को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। प्रियंका गांधी ने अपने पहले भाषण में जाति जनगणना से भागने को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ''जाति जनगणना समय की मांग है और इससे हमें नीतियां बनाने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा, ''यह सरकार संविधान को कमजोर कर रही है।'' उन्होंने

सोशल मीडिया के इस्तेमाल से बचें जज, सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि न्यायाधीशों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने या फैसलों पर राय व्यक्त करने से बचना चाहिए और कहा कि न्यायिक पेशा साधु जैसी जीवनशैली और अथक समर्पण की मांग करता है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन कोटिस्वर सिंह की पीठ ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा दो महिला न्यायिक अधिकारियों की बर्खास्तगी से संबंधित एक मामले की सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं। पीठ ने कहा कि न्यायपालिका दिखावे का मंच नहीं है और कहा कि न्यायिक अधिकारियों को फेसबुक पर नहीं जाना चाहिए। उन्हें निर्णयों पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए क्योंकि कल, यदि निर्णय का हवाला दिया जाता है, तो न्यायाधीश पहले ही किसी न किसी तरह से व्यक्त कर चुके हैं। कोर्ट ने आगे कहा कि यह एक खुला मंच है. तुम्हें संन्यासी की तरह रहना होगा और घोड़े की तरह काम करना होगा। न्यायिक अधिकारियों को महत्वपूर्ण बलिदान देना चाहिए और फेसबुक से पूरी तरह बचना चाहिए।

लाल किला मेरा है! बहादुर शाह जफर की पौत्र वधू ने ठोका दावा, कोर्ट ने कहा– 150 साल बाद याद आई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर–द्वितीय के परपोते की विधवा की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते लाल किले पर कब्जा करने की मांग की थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विभू बाखरू और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने एचसी एकल न्यायाधीश के दिसंबर 2021 के फैसले के खिलाफ

सुल्ताना बेगम की अपील को खारिज कर दिया, यह देखते हुए कि चुनौती ढाई साल से अधिक की देरी के बाद दायर की गई थी, जो माफ नहीं किया जा सका। बेगम ने कहा कि वह अपनी खराब स्वास्थ्य स्थिति और अपनी बेटी के निधन के कारण अपील दायर नहीं कर सकीं। हम उक्त स्पष्टीकरण को अपर्याप्त पाते हैं, यह देखते हुए कि देरी ढाई साल से अधिक की है। याचिका को भी कई दशकों तक अत्यधिक विलंबित होने के कारण खारिज कर दिया गया था। देरी की माफी के लिए आवेदन खारिज कर दिया गया है। नतीजतन, अपील भी खारिज की जाती है। यह सीमा से वर्जित है। 20 दिसंबर, 2021 को एकल न्यायाधीश ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा अवैध रूप से लिए गए लाल किले पर कब्ज़ा करने की मांग करने वाली बेगम की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि 150 से अधिक वर्षों के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाने में अत्यधिक देरी का कोई औचित्य नहीं था।

इम्पलाइज संघ को मिले सर्वाधिक वोट, रेलवे मेंस यूनियन की हैट्रिक

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) जोन में हुए चुनाव में नार्थ सेंट्रल रेलवे इम्पलाइज संघ (एनसीआरईएस) और नार्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन (एनसीआरएमयू) ने अपनी मान्यता बरकरार रखी है। इस चुनाव में इम्पलाइज संघ को जोन में सर्वाधिक 20510 मत मिले, जबकि दूसरे नंबर मेंस यूनियन को 19715 मत मिले। कुल पड़े मतों में से 35 फीसदी का आंकड़ा पार करने की वजह से इन दोनों ही यूनियनों को एक बार फिर से मान्यता मिल गई है। खास बात यह है कि इम्पलाइज संघ को जहां दूसरी बार मान्यता मिली, वहीं मेंस यूनियन ने हैट्रिक बनाई। मेंस यूनियन को इसके पूर्व 2007 एवं 2013 के चुनाव में भी मान्यता मिली थी। हालांकि इस बार मान्यता के चुनाव में स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन (एसआरबीकेयू) ने शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। बहुजन कर्मचारी यूनियन 7691 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रही। यूनियन के इस प्रदर्शन पर तमाम रेलकर्मियों ने आश्चर्य भी जताया। उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ (यूएमआरकेएस) का प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इस संगठन को 4304 वोट मिले। जोन में सबसे खराब प्रदर्शन नार्थ सेंट्रल रेलवे कर्मचारी संघ (एनसीआरकेएस) का रहा, इस यूनियन को मात्र 382 वोट मिले। बता दें कि रेल यूनियन मान्यता का चुनाव इस बार 11 वर्ष के इंतजार के बाद हुआ। 2013 में हुए चुनाव में एनसीआरईएस और एनसीआरएमयू को मान्यता मिली थी। उसके पूर्व 2007 के चुनाव में सिर्फ एनसीआरएमयू को ही मान्यता हासिल हो सकी थी। फिलहाल 2024 के चुनाव में यह दोनों ही यूनियन अपनी साख बचाने में कामयाब रहीं। रेलवे मेंस यूनियन की बात करें तो वह प्रयागराज एवं आगरा मंडल में अव्वल रही, जबकि इम्पलाइज संघ को झांसी मंडल में बड़ी बढ़त मिली। इम्पलाइज संघ एनसीआर मुख्यालय, सिथौली वर्कशॉप एवं झांसी वर्कशॉप में भी आगे रही। इसके पूर्व प्रयागराज स्थित डीआरएम ऑफिस, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, डीआरएम ऑफिस आगरा, सिथौली वर्कशॉप ग्वालियर, डीआरएम ऑफिस झांसी एवं वर्कशॉप झांसी में सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई। सबसे पहले सिथौली वर्कशॉप का परिणाम जारी हुआ। इस चुनाव में कुल वोटों का 30 प्रतिशत या वैध मतों का 35 फीसदी वोट मिलने वाली यूनियन को ही मान्यता मिलती है। इम्पलाइज संघ और मेंस यूनियन को एक बार फिर से मान्यता मिलने के बाद दोनों संगठनों से जुड़े रेलकर्मियों ने खूब जश्न मनाया। डीआरएम ऑफिस और एनसीआर मुख्यालय में परिणाम घोषित होने के बाद रेलकर्मी अपनी–अपनी यूनियनों को मान्यता मिलने पर खूब झूमे। रेलकर्मियों ने आतिशबाजी की और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। इम्पलाइज संघ के केंद्रीय कार्यालय में चंदन सिंह, आलोक सहगल समेत सैकड़ों रेलकर्मियों ने महामंत्री आरपी सिंह को बधाई दी। वहीं मेंस यूनियन के महामंत्री आरडी यादव को डीएस यादव, नागेंद्र बहादुर सिंह, अरविंद पांडेय आदि ने बधाई दी। उधर, एनसीआर मुख्यालय में इम्पलाइज संघ के महामंत्री आरपी सिंह और मेंस यूनियन के महामंत्री आरडी यादव को पीसीपीओ ने जीत का प्रमाणपत्र सौंपा। पुरानी पेंशन बहाली समेत कई मुद्दों को लेकर हम चुनाव में उतरे। उसे लेकर अब आगे लड़ाई लड़ी जाएगी। – आरपी सिंह, महामंत्री, इम्पलाइज संघ।

पीसीएस प्री का परिणाम डेढ़ माह में देने की तैयारी, जनवरी के अंत में जारी हो सकता है रिजल्ट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के आयोजन की तिथि से डेढ़ माह के भीतर परिणाम देने की तैयारी में है। ऐसे में आयोग अगले साल जनवरी के अंतिम सप्ताह या इससे पहले प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी कर सकता है। कई बार स्थगित हो चुकी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का अंतिम चयन परिणाम वर्ष 2024 में ही जारी करने की तैयारी थी। लेकिन, विभिन्न कारणों से यह परीक्षा टलती रही और अभ्यर्थी सालभर प्रारंभिक परीक्षा का इंतजार ही करते रह गए। अब 22 दिसंबर को प्रदेश के सभी 75 जिलों के 1331 केंद्र में यह परीक्षा होने जा रही है। इस परीक्षा के लिए 576154 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इससे पूर्व आयोग ने पीसीएस परीक्षा–2023 का अंतिम चयन परिणाम आठ माह नौ दिन में जारी किया था। वहीं, प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 44 दिनों में जारी किया था। प्रारंभिक परीक्षा 14 मई 2023 को आयोजित की गई थी। 26 जून 2023 को परिणाम घोषित कर दिया था। इस बार भी आयोग ने डेढ़ माह के भीतर प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी करने की तैयारी की है। अगर आयोग पीसीएस–2023 की तरह पीसीएस–2024 का भी चयन परिणाम आठ से नौ माह के भीतर जारी देता है तो पीसीएस–2024 की चयन प्रक्रिया अगले साल अगस्त या सितंबर में पूरी हो जाएगी। आयोग के सूत्रों का कहना है कि इस बार पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम रिकॉर्ड समय में जारी किए जाने की तैयारी है, ताकि यह भर्ती समय से पूरी कराई जा सके।

महज देरी के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता मृतक आश्रित का दावा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आर्थिक तंगी से जूझ रही मृतक आश्रित बेटी को शिक्षा विभाग में तीन महीने में नियुक्ति देने का आदेश दिया है। कहा कि केवल पांच साल देरी से दावा करने के आधार पर नौकरी देने की मांग नहीं खारिज की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि दावे पर विचार करते वक्त परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी सोचना होगा। हालांकि, मौजूदा मामले में याची ने नाबालिग रहते हुए पांच साल के भीतर दावा कर दिया था। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत ने झांसी निवासी इंदु चंदेल की ओर याचिका स्वीकार करते हुए दिया है। इंदु की मां कंचन लता पाल झांसी के बबीना के पूर्व माध्यमिक विद्यालय खैरा में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थीं। 21 नवंबर 2010 को उनकी मृत्यु हो गई। उस वक्त पति असाध्य रोग से पीड़ित थे और बेटी इंदु नाबालिग थी। मां की मौत के बाद परिवार की आर्थिक हालत बेहद खराब हो गई। इंदु ने मृतक आश्रित के तौर पर नौ अक्तूबर 2015 को नौकरी के लिए आवेदन किया। तत्कालीन बीएसए झांसी ने नाबालिग होने के आधार पर उसे नौकरी देने से इन्कार कर दिया। कहा कि वह बालिग होने पर आवेदन करे। इंदु ने बालिग होने के बाद 2016 में पुनः आवेदन किया तो मामला पांच साल की देरी का बना। बीएसए ने अनुमति के लिए मामले को राज्य सरकार को संदर्भित कर दिया। विशेष सचिव ने 12 जून 2018 को यह कहते हुए अनुमति देने से इन्कार कर दिया कि आवेदन पांच साल बाद दिया गया है। इसी आधार पर बीएसए ने याची का दावा खारिज कर दिया।इसके खिलाफ याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याची के अधिवक्ता अनुराग त्रिपाठी व आदित्य शुक्ल ने दलील दी कि याची का पहला आवेदन पांच साल के भीतर दिया गया था। लेकिन, उस व्यक्त याची नाबालिग थी। वयस्कता आयु प्राप्त करने के बाद दिया आवेदन बालिग होने के बाद का है। याची के पिता गंभीर रूप से बीमार हैं और घर की आर्थिक हालत बेहद खराब है। कोर्ट ने शासन के विशेष सचिव व बीएसए झांसी के आदेश को रद्द कर तीन माह में नियुक्ति प्रदान करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि पहले आवेदन के वक्त याची नाबालिग थी। इसलिए उसे आवेदन में देरी के लिए छूट देने के साथ ही मृतक आश्रितों की आर्थिक हालत पर भी विचार किया जाना चाहिए।

कनाडा, इटली, अमेरिका समेत दुनिया के 20 देशों से महाकुंभ का वैभव देखने आएंगे विदेशी

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक–सांस्कृतिक समागम वाले महाकुंभ का वैभव देखने के लिए दुनिया के 20 देशों से विदेशी भक्त महाकुंभ में आएंगे। गंगा किनारे बसे क्रियायोग संस्थान में योगगुरु स्वामी योगी सत्यम की ओर से विदेशी भक्तों के स्वागत के लिए विशेष तैयारियां चल रही हैं। तकरीबन दो माह तक प्रयागराज आने वाले विदेशी भक्तों के रहने और खाने की व्यवस्था संगम किनारे शिविर और आश्रमों में की जा रही है। यहां के 200 कमरों में उनके रहने का उचित प्रबंध किया जा रहा है। भक्तगण आश्रम के भव्य शिविर में रोजाना सुबह–शाम क्रिया योग का अभ्यास करेंगे। आश्रम की सचिव मीरा माता और उपाध्यक्ष स्वामी शांतानंद ने बताया कि इटली, स्विट्जरलैंड के अलावा कनाडा, जर्मनी, ब्राजील, अमेरिका, आयरलैंड, सिंगापुर,लाटीविया, स्कॉटलैंड और पड़ोसी हिंदू राष्ट्र नेपाल से विदेशी भक्त विश्व के सबसे बड़े धार्मिक मेले में प्रयागराज आने को उत्सुक हैं। विदेशियों के आने का सिलसिला 15 दिसंबर के बाद से शुरू हो जाएगा। गंगा के किनारे बसे क्रियायोग आश्रम से जुड़ी कनाडा की प्रसिद्ध महिला चिकित्सक डॉ. स्यू डाइमंड और कैलगरी की चाटर्ड एकांउटेंट रेने भारतीय ज्ञान परंपरा की खासी दीवानी हैं। इन्हें भारत आकर यहां की संस्कृति में रचना और बसना बेहद पसंद है। छह साल पहले हुए कुंभ के दौरान दोनों भारत आईं और संगम की रेती पर लगे विश्व के सबसे बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन को देख बेहद प्रभावित हुईं।

न्यायमूर्ति शेखर यादव अब सिविल मामलों की करेंगे सुनवाई, विवादास्पद टिप्पणी को लेकर आए हैं चर्चा में

प्रयागराज। विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में कथित विवादास्पद टिप्पणी को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जवाब तलब करने से सुर्खियों में आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव अब सिविल मामलों की सुनवाई करेंगे। हाईकोर्ट की ओर से बृहस्पतिवार को जारी किए गए रोस्टर के तहत न्यायमूर्ति यादव को वर्ष 2010 तक दायर किए गए सिविल मामलों में प्रथम अपील सुनने का दायित्व दिया गया है। करीब छह महीने से वह आपराधिक मामलों की सुनवाई करते आ रहे थे। यह रोस्टर 16 दिसंबर से प्रभावी होगा। इसके मुताबिक, न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह जमानत के बड़े प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। न्यायमूर्ति शैलेंद्र क्षितिज को 2011 से अब तक दायर सिविल मामलों की प्रथम अपील व अन्य मामलों की सुनवाई का जिम्मा दिया गया है।

दो सिर वाले नवजात शिशु का ऑपरेशन कर दिया नया जीवन दान, चिकित्सकों ने कहा- यह एन्सेफेलोसील बीमारी

प्रयागराज। मुंडेरा स्थित एक निजी अस्पताल में दो सिर वाले नवजात शिशु का सफल ऑपरेशन करके चिकित्सकों ने

उसे नया जीवनदान दिया है। करीब साढ़े चार घंटे चले ऑपरेशन में चिकित्सकों ने 21 दिन पहले पैदा हुए नवजात शिशु के एक सिर को अलग करके उसको मौत के मुंह से वापस ले आए। वहीं दो दिसंबर को हुए ऑपरेशन के बाद शिशु को 10 दिनों तक आईसीयू में रखा गया। जिसके बाद शिशु को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। फिलहाल शिशु अब पूरी तरह से ठीक है। चिकित्सकों का कहना है कि यह एन्सेफेलोसील बीमारी है, जो कि 10 लाख में से किसी एक बच्चे को होती है। इस बीमारी का इलाज समय रहते न किया जाए, तो बच्चे का बचना मुश्किल हो जाता है। दरअसल फतेहपुर खागा निवासी पवन कुमार केवट की पत्नी का नौ नवंबर 2024 को एक सरकारी अस्पताल में सामान्य प्रसव हुआ था। तीन बेटियों के बाद बेटा पैदा होने पर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं था। लेकिन जब परिजनों ने देखा, कि बच्चे के सिर के पीछे एक और सिर दिख रहा है, तो उनके होश उड़ गए। वहीं प्रसव के एक घंटे बाद ही सरकार अस्पताल से बच्चे का इलाज करने से मना कर दिया। जिसके बाद परिजन बच्चे को लेकर फतेहपुर शहर के एक निजी अस्पताल गए, जहां चार दिन रखने के बाद बच्चे का इलाज करने से मना कर दिया गया। वहीं परिजन बच्चे को लेकर कानपुर के एक प्रतिष्ठित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पूरी रात रखने के बाद चिकित्सकों ने जवाब दे दिया। ऐसे में लाचार व मजबूर परिजन 1 दिसंबर को प्रयागराज के मुंडेरा स्थित एक निजी अस्पताल में बच्चे को लेकर पहुंचे। जहां 2 दिसंबर को लैप्रोस्कोपिक सर्जन व अस्पताल के निदेशक डॉ. राजीव सिंह, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जेके सिंह, न्यूरो सर्जन डॉ. नितेश सिंह ने बच्चे का सफल ऑपरेशन किया। जिसके बाद बच्चे को आईसीयू वार्ड में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्कर की निगरानी में रखा गया। एन्सेफेलोसील एक जन्म दोष है, जो बच्चे की खोपड़ी के छिद्र के माध्यम से मस्तिष्क के ऊतकों को बढ़ने का कारण बनता है। यह स्थिति एक न्यूरल ट्यूब दोष है। न्यूरल ट्यूब मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी का प्रारंभिक रूप है। जब भ्रूण गर्भाशय में विकसित हो रहा होता है।

यदि गर्भावस्था के पहले कुछ हफ्तों के दौरान न्यूरल ट्यूब के शीर्ष को बंद करने में कोई समस्या है, तो एन्सेफेलोसील हो सकता है। यह स्थिति हल्की से लेकर जानलेवा तक हो सकती है। मैंने अपने मेडिकल कैरियर में इस प्रकार का दूसरा ऑपरेशन किया है। मात्र 21 दिन के बच्चे का ऑपरेशन होने कारण काफी जटिल हो गया था। फिलहाल बच्चे को पांच वर्ष तक फॉलोअप में रखा जाएगा। जिसमें यह देखा जाएगा, कि उसके दिमाग पर तो काई असर नहीं पड़ा है। ऑपरेशन के बाद बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ्य है।

शिक्षा चयन आयोग ने सभी विभागों से मांगा रिक्त पदों का ब्यौरा, जल्द शुरू हो सकती है भर्ती

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने सभी विभागों से शिक्षकों के रिक्त पदों का ब्यौरा मांगा है। विभागों की ओर से अधियाचन मिलने के बाद आयोग नई भर्तियों के लिए विज्ञापन जारी करेगा। महाकुंभ के बाद आयोग नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में है। फिलहाल, आयोग के सामने पहली चुनौती लंबित भर्ती परीक्षाओं को पूरी कराने की है। आयोग ने अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों पर भर्ती के लिए 15 व 16 फरवरी को परीक्षा तिथि प्रस्तावित की है। वहीं, अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी के 3539 पदों के लिए चार व पांच अप्रैल और पीजीटी के 624 पदों के लिए 11 व 12 अप्रैल को परीक्षा तिथि निर्धारित की है। लंबित भर्ती परीक्षाएं पूरी कराने के बाद आयोग नई भर्तियां शुरू करेगा। आयोग ने परिषदीय विद्यालयों, अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों, व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों, अटल आवासीय विद्यालयों, अशासकीय महाविद्यालयों और अल्पसंख्यकों स्कूलों व कॉलेजों में शिक्षक भर्ती के लिए संबंधित विभागों से रिक्त पदों का ब्योरा मांग लिया है और विभागों ने भी रिक्त पदों की गणना शुरू करा दी है। माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक भर्ती के लिए आयोग को मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में अधियाचन मिल सकते हैं। वहीं, अशासकीय महाविद्यालयों में जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में उच्च शिक्षा निदेशालय की ओर से शिक्षा सेवा चयन आयोग को अधियाचन भेजने की तैयारी है। अशासकीय महाविद्यालयों में लंबित 1017 पदों पर भर्ती पूरी होने के बाद तकरीबन एक हजार पदों पर नई भर्ती कराए जाने की तैयारी है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि जून तक सभी लंबित भर्तियां पूरी कराए जाने की तैयारी है। इस बीच नई भर्तियां भी शुरू करा दी जाएंगी। विभागों से जैसे ही अधियाचन मिलेंगे, आयोग की ओर से नई भर्तियों के लिए विज्ञापन जारी कर दिए जाएंगे।

वर्ष 2025 में कई नई भर्तियां शुरू होंगी। इनमें अशासकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर, अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में टीजीटी, पीजीटी, परिषदीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक, अल्पसंख्यक महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर आदि पद शामिल हैं।

अंग्रेजी व्याकरण के शब्दजाल में नहीं उलझेंगे छात्र, आसान होगा अनुवाद

प्रयागराज। यूपी बोर्ड के छात्र अब अंग्रेजी ग्रामर के शब्दजाल नहीं उलझेंगे और अनुवाद भी आसान होगा। माध

यमिक शिक्षकों के लिए अंग्रेजी ग्रामर बुक तैयार की जा रही है, जो शिक्षकों के लिए एक रिफरेंस बुक होगी और बोर्ड के पाठ्यक्रम में ग्रामर संबंधी सभी टॉपिक्स को कवर करेगी। शिक्षक इस ग्रामर बुक की मदद से छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा का आसान बनाएंगे। समग्र शिक्षा अभियान के तहत इस सत्र के अंत तक इन्हें राज्य के प्रत्येक राजकीय माध्यमिक विद्यालय में उपलब्ध करा दिया जाएगा और अगले सत्र में यह सभी शिक्षकों के पास होगी। यह ग्रामर बुक इंग्लिश लैंग्वेज ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (ईएलआईटी) की ओर से तैयार की जा रही है और इसमें माध्यमिक व उच्च शिक्षण संस्थानों का सहयोग लिया जा रहा है। ग्रामर, राइटिंग स्किल्स (नोट राइटिंग, आर्टिकल राइटिंग, लेटर राइटिंग) और अनुवाद के लिए कोई प्रामाणिक पठन सामग्री उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में ईएलटीआई ने इस अकादमिक सत्र में सबसे पहले कक्षा 9–12 के लिए चार टीचर्स गाइड विकसित की, ताकि माध्यमिक शिक्षकों को नई पाठ्य पुस्तकों को पढ़ाने में सहूलियत हो। ईएलटीआई की ओर से अब माध्यमिक शिक्षकों के लिए जो अंग्रेजी ग्रामर की पुस्तक विकसित जा रही है, उसमें ग्रामर के विभिन्न पक्षों के साथ–साथ हिंदी–अंग्रेजी ट्रांसलेशन को भी शामिल किया गया है। हिंदी–अंग्रेजी अनुवाद में विद्यार्थियों को होने वाली वास्तविक समस्याओं को चिह्नित कर उनके निराकरण के लिए सामग्री दी जा रही है, जिससे परीक्षाओं में वे अनुवाद से भयभीत न हों और समझ कर अनुवाद कर सकें। पारंपरिक ग्रामर की पुस्तकों से हटकर इनमें व्याकरण के नियमों को ग्रामर के शब्दजाल से बचाते हुए बहुत आसान भाषा में दिया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों को नियमों को रटना नहीं पड़ेगा और वे उन नियमों को समझकर स्वयं विभिन्न संदर्भों में प्रयोग कर सकेंगे। इनमें समय के साथ अनुपयोगी हो गए नियमोंध विषय–वस्तु को सम्मिलित नहीं किया जा रहा है। इस कार्य में ईएलटीआई के अकादमिक स्टाफ शमा परवीन, कृष्णा कुमारी, रेशु सिंह, संदीप दुबे, कुलदीप पांडे के साथ जीजीआईसी कौशाम्बी व प्रयागराज से रश्मि प्रिया सिंह, रूचि त्रिपाठी, रश्मिता सिंह, एलबीएस इंटर कॉलेज के प्रध ाानाचार्य डॉ. संतोष शुक्ल व राजकीय पीजी कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विष्णु प्रताप सिंह योगदान दे रहे हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के शिक्षकों द्वारा इसके पुनरीक्षण बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाने की जरूरत नहीं, आदेश का पालन करना इनका कर्तव्य

प्रयागराज। अदालती आदेश के अनुपालन में अधिकारियों की बेपरवाही चरम पर है। हालात यह हैं कि अवमानना की कार्यवाही के बगैर ये आदेश के अनुपालन में अंगुली तक नहीं हिलाते। वादकारी न्याय के लिए भिखारी की तरह दर–दर भटकने को मजबूर होते हैं। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति शेखर बी शराफ और न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने अशोक की याचिका पर की। कहा, जनता को अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाने व न्याय की भीख मांगने की जरूरत नहीं है। अदालत के आदेश का पालन करना अधिकारियों का कर्तव्य है। मामला जौनपुर के सुजानगंज थानाक्षेत्र के बरजूकला गांव का है। याची अशोक ने 16 साल पहले निजी प्रतिवादियों की ओर से उनकी संपत्ति में हस्तक्षेप के खिलाफ सिविल जज की अदालत में वाद दाखिल किया था। अदालत ने याची के पक्ष में निषेधाज्ञा आदेश पारित कर प्रतिवादियों के हस्तक्षेप पर रोक लगा दी थी। इसके बाद भी प्रतिवादी प्रश्नगत संपत्ति में हस्तक्षेप करने से बाज नहीं आए। इसके खिलाफ याची ने निषेधाज्ञा आदेश का हवाला देते हुए जौनपुर पुलिस और डीएम से शिकायत की, लेकिन वहां भी सुनवाई नहीं हुई। मजबूरन याची को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। याची के अधिवक्ता श्याम शंकर मिश्रा ने दलील दी कि अधिकारियों की ओर से अदालत के आदेशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा। याची न्याय को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी संग पुलिस अधीक्षक जौनपुर को याची के पक्ष में दिए गए सिविल कोर्ट के 16 सितंबर 2008 के आदेश का अनुपालन करने का आदेश दिया है।

प्रयागराज के 12 माध्यमिक शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ, कोर्ट से राहत के बाद जारी किया गया आदेश

प्रयागराज। अप्रैल–2005 के पहले जारी विज्ञापनों के तहत चयनित माध्यमिक शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया गया है। अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेंद्र कुमार तिवारी की ओर से प्रयागराज के 12 शिक्षकों को यह लाभ देने के लिए आदेश जारी किया गया है। पुरानी पेंशन का लाभ माध्यमिक शिक्षा विभाग के उन सभा शिक्षकों को मिलना है, जिनका चयन अप्रैल–2005 के पहले जारी विज्ञापनों के तहत हुआ है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक कार्यालय की ओर से जल्द ही अन्य जिलों के शिक्षकों को भी पुरानी पेंशन का लाभ देने संबंधित आदेश जारी किए जाएंगे। इन शिक्षकों को हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में पुरानी पेंशन दिए जाने का निर्णय लिया गया है।प्रयागराज के जिन शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया गया है, उनमें गौरी पाठशाला इंटर कॉलेज की प्रवक्ता निरुपमा मालवीय, सरदार बल्लभ भाई पटेल इंटर कॉलेज ददौली, हरिसेनगंज के सहायक अध्यापक धर्मराज पटेल, सहायक अध्यापक ओम प्रकाश पटेल, लाल चंद्र इंटर कॉलेज जसरा के सहायक अध्यापक कृष्ण कुमार शामिल हैं। इनके अलावा राजा कमलाकर इंटर कॉलेज शंकरगढ़ के सहायक अध्यापक ओम प्रकाश, बृजेश कुमार यादव, पन्ने लाल, प्रवक्ता अजय कुमार, हरी कृष्ण, कर्नलगंज इंटर कॉलेज के प्रवक्ता सुशांत सिंह, राधा रमण इंटर कॉलेज के प्रवक्ता विजय सिंह, मोती लाल नेहरू इंटर कॉलेज जमुनीपुर के प्रवक्ता उमेश प्रताप सिंह को भी पुरानी पेंशन का लाभ दिया गया है। इन शिक्षकों को चयन अप्रैल 2005 के पहले जारी विज्ञापनों के तहत हुआ था, लेकिन नियुक्ति अप्रैल 2005 के बाद मिली। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश संरक्षक डॉ.हरि प्रकाश यादव के नेतृत्व में अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेंद्र तिवारी से मिला। आपत्ति दर्ज कराई कि पुरानी पेंशन से अच्छादित जनपद के सभी शिक्षकों का आदेश एक साथ जारी न करके, अलग से दो–दो या चार–चार शिक्षकों के लिए आदेश जारी किया जा रहा है। अपर शिक्षा निदेशक से मांग की गई कि जनपद के जिन शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलना है, उनके लिए एक ही बार में आदेश जारी किया जाए। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा, आय व्यय निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश मंत्री तीर्थराज पटेल समेत संदीप शुक्ला, सुरेश पासी, मोहम्मद जावेद, मिथिलेश मौर्य मौजूद रहे।

22 से 24 दिसंबर तक निरस्त रहेगी प्रयागराज–बरेली एक्सप्रेस

प्रयागराज। प्रयागराज संगम–बरेली एक्सप्रेस 22 से 24 दिसंबर तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा त्रिवेणी एक्सप्रेस 21, 23 एवं 24 दिसंबर को निरस्त रहेगी। टनकपुर से वापसी में त्रिवेणी का निरस्तीकरण 20, 22 एवं 23 दिसंबर को होगा। उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के मसीत रेलवे स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की वजह से इन निरस्त किया गया है।

महाकुम्भ विशेष डाक कवर के लिए भेजा प्रस्ताव

प्रयागराज। महाकुम्भ विशेष कवर के लिए डाक विभाग की ओर से लखनऊ कार्यालय प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें महाकुम्भ 2025 के प्रतीक चिह्न को शामिल किया गया है। इस प्रतीक चिह्न में कलश है जिसमें ध दर्शाया गया है। इसी के साथ महाकुम्भ के विशेष महत्व को दिखाने के लिए प्रतीक चिह्न में संगम को भी दिखाया गया है। प्रयागराज प्रधान डाकघर के डिप्टी सुपरिटेंडेंट राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि प्रस्ताव भेजा गया है। इस विशेष कवर में महाकुम्भ के प्रतीक चिह्न को शामिल किया गया है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सालिगराम की प्रतिमा स्थापित

प्रयागराज। बड़ी स्टेशन व्यापार संघ और सालिगराम जायसवाल स्मारक समिति की ओर से शुक्रवार को एक होटल में अनिल कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस दौरान मुकुल जायसवाल ने बताया कि मेयर गणेश केसरवानी ने समिति के अनुरोध पर सालिगराम जायसवाल (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री) की प्रतिमा पुरानी जगह चौराहे पर फिर से स्थापित करा दिया। बैठक में डॉ. हरीश चन्द्र जायसवाल, अमर वैश्य मुन्ना भैया, डॉ. अतुल जायसवाल, रघुनाथ द्विवेदी, डॉ. आभा मधुर, रानी वर्मा, प्रवीन पांडेय, अभिनीत कुशवाहा, राजेश शर्मा, रूद्र सेन जायसवाल, कुसुम लता गुप्ता, नीरज गुप्त, रोहित केसरवानी, मनोज वर्मा, आनंद यादव, तसलीम अहमद आदि मौजूद रहे।

आईईआरटी में पुराछात्र सम्मेलन 15 दिसंबर को

प्रयागराज। इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड रूरल टेक्नोलॉजी (आईईआरटी) में 15 दिसंबर को पुराछात्र सम्मेलन का आयोजन होगा। वैभव गुप्ता ने बताया कि देश–विदेश में कार्यरत पुराछात्र सम्मेलन में शिरकत करेंगे। निदेशक विमल मिश्र के नेतृत्व में पुराछात्र अभिषेक सिंह, राजर्षि त्रिपाठी, सुनील सिंह परिहार, अवधेश शुक्ल और शाशिकांत की टीम समागम 2.0 की तैयारी में जुटी है।

'आधुनिक एवं भाग-दौड़ भरे जीवन में स्वास्थ्य की नियमित देखभाल हर व्यक्तिका पहला कर्तव्य -सांसद पीआरओ जितेंद्र सिंह एडवोकेट'

'भारत सरकार देश के सभी नागरिकों की बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए रहती है सदैव तत्पर – डॉ0 राहुल त्रिपाठी'

'जय घुसमेश्वर लोक सेवा संस्थान, प्रतापगढ़ ने विकास खंड लालगंज के तारापुर गांव में किया स्वास्थ्य शिविरों का भव्य शुभारंभ'

'प्रतापगढ़ ।समानव सेवा ही सच्ची ईश्वर पूजा है , आत्मा में ही परमात्मा का निवास होता

है ।आज के आधुनिक एवं भाग–दौड भरे जीवन के दौर में स्वास्थ्य का बिशेष ध्यान रखना एवं समय–समय पर आवश्यक चेकअप कराते रहना हर एक व्यक्ति के लिए बेहद जरूरी है। उक्त बातें इरकान इंटरनेशनल लिमिटेड, दिल्ली के सहयोग से जय घुसमेश्वर लोक सेवा संस्थान, प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद प्रतापगढ़ में आयोजित होने वाले निरूशुल्क बिशाल स्वास्थ्य शिविरों के शुभारंभ अवसर पर शंकर दीनदयाल बालिका इंटर कॉलेज तारापुर के सभागार में सांसद प्रतापगढ़ डॉ एस0पी0 सिंह पटेल के निजी सचिव जितेंद्र सिंह एडवोकेट ने बतौर मुख्य अतिथि कहीं। उन्होंने कहा कि नियमित चेकअप, खान–पान में सावधानी एवं संयमित जीवन शैली अपनाकर ही अब हम पूर्णरूपेण स्वस्थ रह सकते हैं। शिविर में बतौर उद्घाटन अतिथि पधारे कनक हास्पिटल प्रयागराज के एमडी डॉ राहुल त्रिपाठी ने कहा कि यशस्वी प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पूरे देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रयास किया जा रहा है जिसका नतीजा है कि चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी बेहतर सेवाएं प्रदान कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जय घुसमेश्वर लोक सेवा संस्थान ने हमारे जनपद प्रतापगढ़ में जो स्वास्थ्य शिविरों की शुरुआत की है उसके लिए हमारे और हमारी चिकित्सा टीम की ओर से पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा। अति बिशिष्ट अतिथि के तौर पर उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्य सभा सांसद प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने कहा कि अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना प्रत्येक व्यक्ति का पहला कर्तव्य है क्योंकि अगर हमारी शरीर ही हमारा साथ नहीं देगी तो हम जीवन में कुछ भी नहीं कर पाएंगें। इसलिए सबसे पहले हमें अपने को स्वस्थ रखना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने को बेहद जनोपयोगी एवं समाज के लिए बेहतर सेवा ठहराया। बिशिष्ट अतिथि के तौर आल इंडिया रूलर्स बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव अनिल त्रिपाठी ष्महेशष्एडवोकेट ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बेहतर सेवा प्रदान की जा सकती है। इससे समाज हर एक ब्यक्ति आवश्यकतानुसार समुचित लाभ प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बिराटग्र ााम ट्रस्ट के अध्यक्ष वी एस पाठक ने बताया कि भारत सरकार द्वारा सीएसआर फंड के माध्यम से सुदूरवर्ती जनपदों में प्राथमिकता के आधार पर बृहद स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है जिससे सभी जरूरतमंद नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ –साथ उचित परामर्श, निरूशुल्क दवा बितरण व जांच के साथ बेहतर उपचार किया जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग अथवा संस्थाएं समाजसेवा की भावना रखते हैं उन्हें देश की सरकार सदैव प्रोत्साहन देने का काम करती है। माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वस्थ भारत समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए हम कृ तसंकल्पित हैं। संचालन करते हुए मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र मिश्र ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उपस्थित बिशाल जनसमूह से परिचय कराया। कार्यक्रम के आयोजक तथा जय घुसमेश्वर लोक सेवा संस्थान के प्रबंधक कुल भूषण शुक्ल ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, समेत बिद्यालय परिवार व उपस्थित जनमानस का हार्दिक आभार जताते हुए सहयोग की अपेक्षा पर बल दिया।इस मौके पर डॉ दिपांकर कुमार विश्वास, डॉ रिचा यादव, डॉ अजय मिश्र, फार्मासिस्ट अभय बर्मा, ज्योत्सना शुक्ला, अमित पाल, अनीस कोरी, प्रिया, ऐश्वर्य शुक्ल,कुल दीपक शुक्ल,सोनम यादव, विद्यालय प्रबंधक रामशंकर यादव आदि मौजूद रहे।

'इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

इंदौर । शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई की दिसम्बर महीने की महिला काव्य गोष्ठी 'राम विवाहोत्सव' के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन में हुई।उमा मिश्रा प्रीति कार्यक्रम अध यक्ष की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी

की मुख्य अतिथि साधना शुक्ला एवं विशिष्ट अतिथि रेखा शर्मा थीं। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्ष उमा मिश्राष प्रीतिष्द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती देवी की वन्दना डा. शशि निगम द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन प्रभा तिवारी ने किया।इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने 'राम सिया विवाह पर बधाई गीत' कीष्सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति दी डा.अंजुल कंसल,संतोष तोषनीवाल,डॉ शशिकला अवस्थी,नीति अग्निहोत्री ,डॉ शशि निगम, गायत्री शर्मा, ऊषा यादव ,सीता सेन, प्रभा तिवारी, हेमा जैन,सुषमा शुक्ला ,डॉ.शशि निगम, आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुतिश्र द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें , धन्यवाद ज्ञापन अंजुल कंसल ने किया।

धार्मिक स्थलों के विवाद को लटकाना नहीं, निपटाना होगा

लखनऊ, संवाददाता। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच के द्वारा धार्मिक स्थलों के विवाद को लेकर आगे कोई केस नहीं दायर करने और जो धर्म से जुड़े मामले निचली अदालत में चल रहे हैं उसमें कोई फाइनल आदेश नहीं जारी करने का आदेश देकर कानून के जानकारों और बुद्धिजीवियों के बीच एक नई बहस छेड़ दी है। सवाल यह किया जा रहा है कि न्यायपालिका किसी को न्याय के मौलिक अधिकार से कैसे वंचित या रोक सकती है। जहां न्याय में देरी होने को भी अन्याय माना जाता है। वहां किसी को न्याय मिलने के लिये कैसे रोका जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये उक्त आदेश का सबसे अधिक असर उत्तर प्रदेश में पड़ सकता है,क्योंकि धार्मिक स्थलों पर विवाद के सबसे अधिक मामले यूपी की अदालतों में ही विचाराधीन है। यहां कई हिन्दू धर्म स्थलों को मुगलकाल में तोड़कर वहां मस्जिद बना दी गई थी। बता दें उत्तर प्रदेश की अलग–अलग अदालतों में दायर मुकदमों और कई धर्मस्थलों के जारी सर्वे पर छिड़े विवाद के बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने उक्त अहम फैसला दिया है। शीर्ष अदालत ने फैसले में कहा है कि धर्मस्थलों से जुड़ा कोई नया मुकदमा दायर नहीं होगा। साथ ही लंबित मामलों में कोई आदेश या अंतरिम आदेश भी पारित नहीं किया जाएगा। ऐसे में यूपी की निचली अदालतों की ओर से ऐसे मामलों में दिए जा रहे आदेशों पर लगाम लग सकती है। धार्मिक स्थलों के सर्वे या मुकदमों के सबसे ज्यादा मामले यूपी में चल रहे हैं। यूपी के धार्मिक स्थलों पर विवाद की बात करें तो सबसे पहला नाम वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद का आता है, जहां 2021 में नई याचिका दाखिल होने के बाद सर्वे हुआ। इसके बाद अदालत के आदेश पर फरवरी 2024 में मस्जिद के तहखाने में मौजूद मंदिर में पूजा शुरू हुई। इसी तरह मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद के श्रीकृष्ण जन्मभूमि होने का दावा करने वाली याचिका 2020 में दायर की गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछले साल कोर्ट कमिश्नर तैनात कर सर्वे का आदेश दे दिया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। संभल की जामा मस्जिद का कोर्ट कमिश्नर से सर्वे करने का हालिया आदेश और उसके पालन से हिंसा भड़क गई। इससे जुड़ी याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु जैन ने कहा था कि श्री हरिहर मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी। उक्त के अलावा भी जौनपुर की अटाला मस्जिद को लेकर स्थानीय अदालत में अक्तूबर 2024 में दायर याचिका का उप्र सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने विरोध किया है। स्वराज वाहिनी ने 2024 में दाखिल याचिका में कहा कि 1408 में फिरोज शाह तुगलक ने अटाला मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई थी।

भारद्वाज आश्रम परिसर के नवनिर्मित गलियारे का लोकार्पण किया प्रधानमंत्री मोदी ने

प्रयागराज सपूर्वाह्न में प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ के अवसर पर बनाए गए भारद्वाज आश्रम परिसर के नवनिर्मित गलियारे का वर्चुअल लोकार्पण प्रधानमंत्री मोदी जी ने संगम तट से किया। इस अवसर पर भारद्वाज आश्रम परिसर को फूलों से नववधू की तरह सजाया गया था। स्थानीय पार्षद आनन्द घिल्डियाल ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि ष्भारद्वाज मुनि बसही प्रयागाष– भारद्वाज आश्रम का ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व बहुत अधिक है ।यहां प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, सीता सहित महर्षि भारद्वाज मुनि के आश्रम में रुके थे। यशस्वी मुख्यमंत्री योगी जी ने इसके महत्व को प्रतिपादित करते हुए इसका नव निर्माण कराया और आज आज हम लोगों के लिए विशेष गौरव का विषय है हमारे माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने इसका लोकार्पण किया है।

परिसर को साफ सुथरा बनाए रखना हमारा पुनीत कर्त्तव्य है। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त नगर निगम जितेंद्र यादव, संयुक्त मजिस्ट्रेट भारती मीना, राधे कृष्ण गोस्वामी, चरणजीत सिंह समेत अनेक प्रशासनिक अधिकारी और भारद्वाज मंदिर के पुजारीगण अन्य सम्मानित लोगों के साथ उपस्थित रहे।

'न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल की एकल चित्रकला प्रदर्शनी का भवंस मेहता विद्याआश्रम भरवारी कौशांबी में भव्य उद्घाटन'

प्रयागराज के सुविख्यात कलाकार न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल की एकल चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति सिद्धार्थ एवं विशिष्ट अतिथि माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया भवंस मेहता विद्या आश्रम भरवारी कौशांबी द्वारा आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम 'शिशिरोत्सव' में करेंगे। इस एकल कला प्रदर्शनी के संयोजक नारायण आर्ट अकादमी के निदेशक रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि अकादमी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल वाश शैली के मूर्धन्य कलाकार हैं तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में मशहूर कलाकार कलाऋषि क्षितिन्द्र नाथ मजूमदार के परम शिष्य रहे हैं जिनकी वाश शैली की 12 कलाकृतियां एवं और पांच तैल पेटिंग जो भारतीय आध्यात्मिकता को अपने अंदर समेटे बहुत ही भावपूर्ण अनुपम कलाकृतियां है भवंस मेहता कॉलेज के हाल में दर्शकों के रसास्वादन लिए 7 दिन प्रदर्शित रहेंगी। इस भव्य शिशिरोत्सव कार्यक्रम के संयोजक संदीप सक्सेना अतिथियों का स्वागत करेंगे व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर डॉ प्रशांत अग्रवाल करेंगे।

मलिहाबाद तहसीलदार ने भेजा राज्यपाल को नोटिस, राजभवन की आपत्ति पर कलेक्ट्रेट में हड़कंप

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद तहसील से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के नाम एक नोटिस भेजा गया है। 11 दिसंबर को स्पीड पोस्ट के जरिए पहुंची नोटिस पर राज भवन ने कड़ी आपत्ति जताई है। साथ ही संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नोटिस के बाद राज भवन की ओर से लखनऊ कलेक्ट्रेट को लेटर भेजा गया है, जिससे कलेक्ट्रेट में हड़कंप मच गया। तत्काल मलिहाबाद तहसील से नोटिस की जानकारी मांगी गई। वहां के तहसीलदार का दावा है कि किसी ने शरारत की है। तहसीलदार मलिहाबाद विकास सिंह ने बताया कि यह नोटिस हाथ से तैयार की गई है, इसकी भाषा शैली भी अलग है। इसे जानबूझकर साजिश के तहत राज भवन भेजा गया, जांच की जा रही है। नोटिस में मीरा पाल बनाम उत्तर प्रदेश सरकार मामले का जिक्र किया गया है। यह केस बेदखली से जुड़ा है। राज्यपाल को भेजा गए नोटिस पर तहसीलदार कोर्ट के पेशकार गंगाराम मौर्य के हस्ताक्षर हैं। वहीं, तहसीलदार का कहना है कि नोटिस की भाषा ही फर्जी है। 11 दिसंबर को यह नोटिस राज भवन पहुंचा। 12 दिसंबर को राज भवन ने इसे खारिज किया। साथ ही कहा कि इस प्रकार की शरारत दोबारा न हो। इतना ही नहीं आर्टिकल 361 का हवाला देते हुए कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए हैं। राज भवन का लेटर 13 दिसंबर को कलेक्ट्रेट पहुंचा। इसके बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गया। तहसीलदार मलिहाबाद ने बताया कि फाइलों और दस्तावेज की जांच की जा रही है। इसके अलावा नोटिस बनाने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए हैंडराइटिंग का मिलान किया जाएगा। इस प्रकार की साजिश प्रशासनिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले अक्तूबर 2023 में भी यूपी की राज्यपाल के नाम तहसीलदार ने नोटिस भेजा था। तब, वह नोटिस बदायूं जिले के सदर तहसील से भेजा गया था। उस नोटिस में राज्यपाल को ही कोर्ट में हाजिर होने का फरमान सुना दिया गया था। तब राज्यपाल के सचिव ने जिलाधिकारी से नोटिस के बारे में सवाल–जवाब किए थे। संविधान में आर्टिकल 361 में प्रावधान है कि संवैधानिक पद पर बैठे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ नोटिस नहीं भेजा जा सकता है। इस मामले में भी राज भवन ने आर्टिकल 361 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

विभागाध्यक्ष की सहमति, सिंचाई चालकों का आन्दोलन स्थगित

लखनऊ, संवाददाता। संघ द्वारा प्रेषित अनुस्मारक पहुचते ही विभागाध्यक्ष ने संघ के पदाधिकारियों से वार्ता कर उन्हें एक घन्टे में संतुष्ट कर दिया। विभागाध्यक्ष ने उनकी सभी प्रमुख चार मांगों पर तत्काल मुख्य अभियंताओं को उक्त समस्याओं के समयबध्द्ध निस्तारण के आदेश दिए। यही नही वार्ता के एक घन्टे बाद कार्यवृत्ति जारी कर दी गई। चालक संघ के अध्यक्ष शकील अहमद ने तत्काल 17 दिसम्बर को कार्यालय प्रमुख अभियंता विभागाध्यक्ष सिंचाई एवं जल संसाधन कार्यालय का घेराव प्रान्तीय धरने को स्थगित करने का निर्णय लिया। वार्ता में इं. अखिलेश कुमार सचान य प्रमुख अभियंता विभागाध्यक्ष सिंचाई एवं जल संसाधन, इं. संदीप कुमार, वरिष्ठ स्टाफ अफसर इं. लाल चंद और संघ प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद, संगठन मंत्री कैलाश साह, संतोष कुमार पाण्डेय, मो. गुलाम कादिर मौजूद थे। संघ द्वारा बताया गया कि वार्ता के दौरान प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष द्वारा संगठन की मांग पर एक सप्ताह के अन्दर समस्त मुख्य अभियन्ताओं से उपलब्ध वाहनों के सापेक्ष रिक्त पदों की सूचना प्राप्त कर अग्रेतर कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष द्वारा सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ताओ को निर्देशित किया गया है कि अपने अध ाीनस्थ खण्डीय कार्यालयों में समुह घ के पद से वाहन चालक के पद पर पदोन्नति का 20 प्रतिशत का कोटा अतिशीघ्र भरा जाये। इस सम्बन्ध में सभी क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ताओं को पत्र जारी किया जायेगा। जिन कर्मचारियों की वाहन चालक के पद पर पदोन्नति की जानी है। अपने स्तर से पदोन्नित की कार्यवाही पूर्ण कर इस कार्यालय को सूचित करे। प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष द्वारा सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया गया है कि अबतक कितने वाहनों की नीलामी हुई है, वर्तमान में कितने शेष है उनकी भी गणना कराकर नीलामी की कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। प्रमुख अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष द्वारा वार्ता के दौरान सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता से दूरभाष निर्देशित किया गया की प्रकरण का गहन जाँच कर शासन के निर्देशानुसार अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें। वाहन क्रय पत्रावली के प्रचलन की स्थिति संघ के संज्ञान में लाई गई। जिसपर संघ द्वारा प्रसन्नता प्रकट की गई है।

गौरा ब्लाक के पूरे राम सहाय में 25 दिसंबर को

होगा 119 मजदूरों का सत्यापन

हरि शंकरी के पौध लगाकर सत्यापित होंगे मजदूर

प्रतापगढ़ सलोकपाल मनरेगा की जनसुनवाई व संवाद कार्यक्रम में विभिन्न विकास खंडों से आई शिकायत व सुझाव को सुना गया। गौरा ब्लाक के पूरे राम सहाय ग्राम में 119 मजदूरों का सत्यापन लोकपाल की उपस्थित में 25 दिसंबर को किया जायेगा।

सत्यापन हेतु 119 हरि शंकरी के पौध रोपित करने का निर्णय ग्राम प्रधान व सचिव की सुनवाई करते हुए लोकपाल ने निर्देश दिया। लोकपाल समाज शेखर ने लोक भारती संस्था के जिला संयोजक डी के शर्मा व ग्राम विकास अधिकारी पूरे राम सहाय के साथ बैठक करके पौध रोपण की योजना को मूर्त स्वरूप देने का निर्णय हुआ। तय हुआ की ग्राम में अपेक्षित मजदूरों का सत्यापन भी होगा और उपस्थित मजदूरों द्वारा हरि शंकरी के पौध भी रोपित हो सकेंगे। रोजगार सेवक कमलेश पटेल की समस्या को सुनकर लोकपाल ने आख्या सहित लिखित आवेदन का निर्देश दिया। लोकपाल समाज शेखर की जन सुनवाई मे सदर ब्लाक के पूरे लाल ग्राम के मनरेगा निगरानी समिति के संयोजक रवि सिंह व रामपुर संग्रामगढ़ के पूरे गजई के मनरेगा निगरानी समिति के संयोजक अशोक तिवारी ने ग्राम में मनरेगा की वस्तु स्थित की आख्या व सुझाव प्रस्तुत किया। लोकपाल ने मांधाता व लक्ष्मणपुर से राज कुमार गौतम व संजीव मिश्र के संयोजन आये समूह से संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओ के क्रम में सुझाव भी दिया।

संक्षिप्त

जज के ड्राइवर ने लगाई फांसी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में जज के ड्राइवर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। वह गुरुवार की रात भोजन के बाद अपने कमरे में गया। कुछ देर बाद बहन ने कमरे में देखा तो उसकी चीख निकल गई। उसका भाई लोहे के एंगल के सहारे फांसी पर लटका था। घटना डालीबाग इलाके की है। परिजनों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने उसे हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां के डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर डेडबॉडी परिजनों को सौंप दी है। डालीबाग में डीजीपी आवास के सामने रहने वाला शनि कश्यप (28) पुत्र प्रताप कश्यप एक जज की गाड़ी चलाता था। भाई शुभम ने बताया कि गुरुवार को ड्यूटी से लौटने के बाद शनि ने सबसे अच्छी तरह से बातचीत की। साथ में बैठकर खाना खाया। इसके बाद अपने कमरे में चले गए और मोबाइल चलाने लगे। कुछ देर बाद छोटी बहन कोमल उन्हें देखने गई तो कमरे में लगे लोहे के एंगल के सहारे फंदा बनाकर लटके मिले। शनि को लटकता देख बहन तेजी से चिल्लाने लगी। इसके बाद घर में मौजूद बाकी सदस्य भी पहुंचे। यह जानकारी पुलिस को दी गई। पिता प्रताप कश्यप ने बताया कि गुरुवार को बेटी कोमल के लिए बहराइच रिश्ता देखने जाना जाता था। पहले शनि साथ में जा रहा था लेकिन फिर मना कर दिया। इस पर प्रताप अपनी पत्नी के गायत्री के साथ लड़का देखने निकल गए। वहां पर रिश्ता पक्का होने के बाद शनि से बातचीत हुई। इसके आध ा घंटे बाद ही उसके फंदे से लटकने के सूचना मिली। फांसी लगाने की असल वजह का पता नहीं चल पा रहा है। शनि की तीन साल पहले शादी हुई थी, लेकिन अभी कोई संतान नहीं है।

रोड एक्सीडेंट, होटल संचालक की मौत, पिकअप ने पीछे से बाइक में मारी टक्कर

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में गोमती नगर इलाके में पिकअप की टक्कर से ढाबा संचालक की मौत हो गई। वह काम से अपने घर की तरफ जा रहे थे। तभी पिकअप चालक ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी, जिससे उनके सिर में चोट लग गई। इलाज के दौरान उन्होंने ट्रॉमा सेंटर में दम तोड़ दिया। पुलिस ने पिकअप को कब्जे में ले लिया है। साथ ही आरोपी चालक को हिरासत में लिया गया है। झलियन पुरवा विनीत खंड गोमती नगर में रहने वाले रमेश चंद्र यादव (58) गोमती नगर विस्तार में मखदूमपुर चौकी के सामने भोजनालय चलाते थे। दोपहर करीब 3 बजे होटल से घर की तरफ काम से जा रहे थे। खरगापुर क्रॉसिंग के पास पहुंचे थे। तभी पीछे से पिकअप चालक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वो बाइक लेकर वहीं गिर पड़े। रमेश के सिर में गंभीर चोट आई। आननफानन में उन्हें लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। सिर में अंदरुनी चोट लगने की वजह से ब्रेन हेमरेज हो गया। गुरुवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। भांजे निरंजन यादव ने बताया कि परिवार में पत्नी, 6 लड़की और 1 लड़का सत्यम है।

सीएम आवास से कुछ दूरी पर ट्रक पलटा, चालक और क्लीनर घायल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के गौतमपल्ली थाना क्षेत्र के बंदरियाबाग चौराहे पर भीषण एक्सीडेंट हो गया। सीएम आवास से कुछ दूर पर हुए हादसे में ट्रक चालक और क्लीनर गंभीर घायल हो गए हैं। घटना गुरुवार देर रात की है। ट्रक में 34 टन लोड था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि 18 टायरा ट्रक मोड़ते समय अनियंत्रित होकर पलट गया है। ट्रक उत्तराखंड से आंध्रप्रदेश जा रहा था। तेज रफ्तार और मोड़ पर नियंत्रण खोने की वजह से यह दुर्घटना हुई है। ट्रक के पलटने से सड़क पर जौ बिखर गया। काफी देर दक यातायात बाधि ात रहा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद ट्रक को हटाने और सड़क को साफ कराने का काम शुरू किया गया। दो क्रेन की सहायता से ट्रक को किनारे कराया गया। जौ की बोरियों को सड़क किनारे रख दिया गया है।

सम्पादकीय.......

नशे के खिलाफ कदम

देश में नासूर बनते नशे के खिलाफ अभियान में यदि 114 वर्षीय धावक फौजा सिंह प्रेरक पदयात्रा कर सकते हैं तो ऊर्जावान युवा–बुजुर्ग क्यों नहीं। 'नशा मुक्त–रंगला पंजाब' अभियान के अंतर्गत निकाले गए नशा विरोधी मार्च में मंगलवार को मैराथन धावक फौजा सिंह के साथ ही पंजाब के राज्यपाल अस्सी वर्षीय गुलाब चंद कटारिया की आठ किलोमीटर की पैदल यात्रा सुर्खियों में रही। निश्चित रूप से पंजाब सरकार की पहल अनुकरणीय है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी बड़ा सामाजिक बदलाव का आंदोलन व्यापक जन भागीदारी से ही सिरे चढ़ सकता है। आज पंजाब समेत देश के अन्य राज्यों में युवा पीढ़ी जिस भयावह तरीके से नशे के दलदल में धंसती जा रही है, वह राष्ट्र के लिये एक गंभीर चुनौती है। जिसका मुकाबला सरकारों के साथ आम आदमी के जुड़ाव से ही संभव है। निश्चित रूप से ऐसी पदयात्रा सिर्फ राजनीतिक निहितार्थों और प्रतीकात्मक रूप से आयोजित नहीं होनी चाहिए। ऐसे अभियान को आंदोलन का रूप देकर इस तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना चाहिए। साथ ही इस तरह के अभियानों से हासिल उपलब्धियों का मूल्यांकन भी जरूरी है। निस्संदेह, औपचारिकताओं के निर्वहन और मीडिया में सुर्खियां बटोरना ऐसे आंदोलन का लक्ष्य तो कदापि नहीं हो सकता। राज्यपाल महोदय का यह कथन सोलह आने सच है कि इस मुद्दे पर बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही महिलाओं की इस आंदोलन में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। निस्संदेह, नशे के नश्तर से महिलाओं को मर्मांतक पीड़ा सहन करनी पड़ती है। अब चाहे पति हो या बेटा, नशे की लत लगने से पूरा परिवार ही संकट में आ जाता है। इसमें दो राय नहीं कि जब पंजाब की नारी शक्ति एकजुट होकर इस मुहिम का नेतृत्व करेगी तो पंजाब अपने स्वर्णिम दिनों की ओर लौट सकता है। निश्चित रूप से किसी राज्य या देश की जवानी का नशे के सैलाब में डूबना राष्ट्रीय क्षति ही है। इसके लिये नशे की आपूर्ति रोकने से लेकर प्रयोग तक पर नियंत्रण की राष्ट्रव्यापी मुहिम की जरूरत है। निस्संदेह, नशे के तेजी से बढ़ते शिकंजे से न केवल असामयिक मौतों, लाइलाज बीमारियों का खतरा बढ़ता है, बल्कि समाज में अपराधों का सिलसिला भी तेज हो जाता है। देखने में आया है कि बड़े अपराधों से लेकर चोरी छीनाझपटी की घटनाओं के मूल में नशाखोरी की भूमिका होती है। कई आपराधिक घटनाओं के मूल में उन कालेज जाने वाले छात्रों की भूमिका पायी गई है, जो नशे के लिये पैसा जुटाने के लिये अपराध की अंधी गलियों में उतर जाते हैं। यह जानते हुए भी यह रास्ता उनके जीवन को बर्बादी की राह पर ले जाता है। निश्चित रूप से समाज विज्ञानियों को भी व्यापक अध्ययन करना चाहिए कि क्यों नई पीढ़ी नशे की ओर तेजी से उन्मुख हो रही है। एक समय था कि पंजाब में आतंक फैलाने के खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये सीमा पार से नशे की बड़ी खेप पंजाब भेजी जाती रही है। चरमपंथियों को आर्थिक मदद पहुंचाने के लिये भी इस षड्यंत्र को सुनियोजित तरीके पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों ने अंजाम दिया। हाल के दिनों में बीएसएफ ने पाकिस्तान की सीमा से लगते भारतीय इलाकों में ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों को गिराने की साजिशों पर लगाम लगायी है। निश्चित रूप से पहले कदम के रूप में सीमाओं को नशे की तस्करी से निरापद बनाने की जरूरत है। वहीं हमारी सुरक्षा व्यवस्था में शामिल उन काली भेड़ों को भी बेनकाब करने की जरूरत है जो नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रही हैं। साथ ही नशे से पीड़ितों को इस दलदल से बाहर निकालने के लिये नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना और पीड़ितों को मनोवैज्ञानिक उपचार देने की भी जरूरत है। निश्चित रूप से नशा पंजाब के लिये बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। जिसके खिलाफ साझा लड़ाई से ही हम कामयाब हो सकते हैं। सही मायनों में यह स्थिति इस संवेदनशील सीमांत राज्य के लिये ही चुनौती नहीं है बल्कि यह राष्ट्रीय संकट की भी आहट है।

संसद को ठप करती सरकार

डॉ. दीपक पाचपोर

अमूमन सरकारें संसद को चलाती हैं और गतिरोध विपक्ष पैदा करता है। देश में इसके उलट हो रहा है। यह नरेन्द्र मोदी सरकार की देन है। यह उनका तीसरा कार्यकाल है लेकिन यह प्रवृत्ति और संसद के दोनों सदनों को चलाने का तरीका उनके नेतृत्व में बनी सरकारों ने पहले ही कार्यकाल से अख्तियार कर लिया था।

दुनिया भर के संसदीय इतिहास में सम्भवतरू ऐसा उदाहरण ढूंढे से भी नहीं मिलेगा जो भारतीय संसद पेश कर रही है। अमूमन सरकारें संसद को चलाती हैं और गतिरोध विपक्ष पैदा करता है। देश में इसके उलट हो रहा है। यह नरेन्द्र मोदी सरकार की देन है। यह उनका तीसरा कार्यकाल है लेकिन यह प्रवृत्ति और संसद के दोनों सदनों को चलाने का तरीका उनके नेतृत्व में बनी सरकारों ने पहले ही कार्यकाल से अख्तियार कर लिया था। विपक्ष को कुचलने के लिये जानी जाने वाली भाजपा सरकार ने लोकसभा में कमजोर विपक्ष देखकर पहले से ही ठान लिया था कि विरोधी आवाज को सदनों के बाहर भी कुचला जायेगा, भीतर भी, हर जगह...। ऐलानिया तौर पर पहले श्कांग्रेस मुक्त भारतश और बाद में श्विपक्ष मुक्त भारतश का नारा देने वाले मोदी और भाजपा ने संसद के बाहर येन केन प्रकारेण कांग्रेस समेत प्रतिपक्ष को या तो चुनावों में हराया या फिर उनकी निर्वाचित सरकारों को ललचाकर या डरा–धमकाकर गिराया। साथ ही दूसरी पार्टियों के नेताओं को दल में आयात किया। इसके समांतर सदन के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को अपनी बात न कहने देने के लिये संख्या बल के जरिये भाजपा ने सारे हथकण्डे हथियाये, जिसमें से उसका लोकप्रिय हथियार है सदन को ही ठप करना। यहीं पर भारतीय संसद दुनिया भर की अन्य संसदों से अलग हो जाती है– एकदम अनूठी। इस साल की जून के पहले सप्ताह में निकले लोकसभा चुनावों के नतीजों के जरिये तीसरी बार यानी मौजूदा सरकार बनाने में मोदी–भाजपा को कामयाबी मिल तो गयी लेकिन विपक्ष बेहद मजबूत हो कर लौटा। ये अप्रत्याशित नतीजे थे जिसने मोदी को दो अन्य दलों के समर्थन से सरकार बनाने के लिये मजबूर कर दिया। ये नतीजे मोदी पर अनेकानेक आरोपों की छाया में लड़े गये लोकसभा चुनाव के थे। इनमें प्रमुख थे– संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने की भाजपायी साजिश, जातिगत जनगणना, कारोबारी गौतम अदाणी को मोदी द्वारा अंधाधुंध लाभ पहुंचाना, मणिपुर में हिंसा व कुकी समुदाय पर अत्याचार, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सहित निर्वाचन आयोग का पक्षपातपूर्ण रवैया, इलेक्टोरल बॉड्स के जरिये भाजपा को लाभ आदि। इनमें से कई मामले ऐसे थे जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सितम्बर 2022 से जनवरी 2023 तक (कन्याकुमारी से कश्मीर) और जनवरी 2024 से मार्च तक (मणिपुर से मुम्बई) निकलीं क्रमशरू श्भारत जोड़ो यात्राश तथा श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश के दौरान जोरदार ढंग से उठाये जा चुके थे। पिछले लोकसभा चुनाव के प्रचार के पहले इंडिया गठबन्धन बन चुका था जिसने इन सारे मुद्दों को एक जनविमर्श का रूप दिया। यह तो सही है कि मोदी–भाजपा ने इन मुद्दों के बावजूद विजय पायी लेकिन माना गया कि इन्हीं मसलों ने भाजपा के 400 पार के मंसूबों पर पानी फेर दिया। यह भी सच है कि इन मुद्दों को लेकर विपक्ष, खासकर कांग्रेस ने जो हमले भाजपा और मोदी पर किये उसी का परिणाम रहा कि मोदी तेलुगु देसम पार्टी एवं जनता दल यूनाइटेड की बैसाखियों पर जा टिके। कमजोर होकर संसद में आये तीसरी मर्तबा के पीएम मोदी का इस बार सामना अपेक्षाकृत बड़े, मजबूत व अब तक एकजुट विपक्षी गठबन्धन से हो रहा है। इंडिया ने कहानी वहीं से शुरू की जहां उसने लोकसभा के चुनावी अभियान के अंतिम दिन यानी प्रचार बन्द होने की शाम को छोड़ी थी। पहले की दोनों लोकसभाओं (2014 एवं 2019 की) में भाजपा बेहद ताकतवर थी, विशेषकर इसकी पूर्ववर्ती। इसलिये 10 वर्षों तक मोदी की दिलचस्पी कम से कम उतनी देर तक संसद के सदनों को चलाये रखने में होती थी जितनी देर वे विपक्ष की आलोचना कर सकें, कांग्रेस के पूर्ववर्ती शासनकाल की खामियां गिना सकें, नेहरू खानदान का अपमान कर सकें और अपने आप को अकेले ही सब पर भारी बतला सकें। अब लोकसभा का चेहरा दूसरा है। इसलिये अब भाजपा का लक्ष्य होता है कि संसद थोड़ी देर भी न चले। संसद की बैठकें प्रारम्भ होने पर जैसे ही प्रतिपक्ष अदानी के मुद्दे को लेकर हमलावर होता हैय क्योंकि यह इस वक्त सबसे बड़ा मुद्दा है, सत्ता बेंच का नियोजित खेल होने लगता है। हिंडनबर्ग की दो–दो रिपोर्टों में अदानी एवं उनके भाइयों की कारगुजारियों की बहुतेरी गाथाएं सामने आने के बाद हाल ही में सेबी अध्यक्ष माधवी बुच पर उंगलियां उठने से विपक्ष पहले दिन से आक्रामक है और इस बाबत गहन जांच संयुक्त संसदीय समिति द्वारा कराये जाने की मांग पर अड़ा हुआ है। ऐसे में लोकसभा में सरकार का बचाव सदन के अध्यक्ष ओम बिरला कर रहे हैं तो राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़। दोनों ने ही अदानी का नाम लेने पर अपने–अपने सदनों में पूरी पाबंदी लगा रखी है। लोकसभा हो या राज्यसभा– अदानी या रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी का नाम लेते ही उन वाक्यांशों को कार्यवाही से हटा दिया जाता है और सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता। बिरला–धनखड़ ने अदानी के नाम पर पिछली लोकसभा में कई दर्जन सदस्यों को निलम्बित कर दिया था। बिरला को इसका पुरस्कार दोबारा अध्यक्ष बनाकर दिया गया तो वहीं धनखड़ जो पदेन उप राष्ट्रपति हैं, एक पायदान ऊपर चढ़कर देश का सर्वोच्च पद पाने को लालायित हैं। इसलिये वे राज्यसभा में अदानी का नाम लेने से विरोधी सदस्यों को मना करते हैं पर जॉर्ज सोरोस का भाजपायी सदस्यों द्वारा उल्लेख करने से उन्हें गुरेज नहीं है।

फिलीस्तीनी राजदूत की प्रियंका गांधी से मुलाकात के मायने

सर्वमित्रा सुरजन

बुधवार को फिलीस्तीन के राजदूत आबेद एलराजेग अबू जाजेर ने वायनाड से नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी को उनकी जीत पर बधाई दी। श्रीमती गांधी के आवास पर हुई इस मुलाकात की एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें फिलीस्तीनी राजदूत और प्रियंका गांधी एक तस्वीर को थामे हुए हैं, जिसमें फिलीस्तीनी नेता यासिर अराफात और इंदिरा गांधी नजर आ रहे हैं। देश में इस वक्त उठे सियासी बवाल और कांग्रेस को कमजोर साबित करने की कोशिश के बीच यह एक सुखद और भरोसा जगाने वाली खबर सामने आई है। अमूमन विदेशी राजदूतों की मुलाकात केन्द्रीय मंत्रियों, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या अन्य पदाधिकारियों आदि से होती है, लेकिन ऐसा बहुत कम होता है कि किसी के सांसद निर्वाचित होने पर किसी देश के राजदूत खुद बधाई देने पहुंचे। मगर प्रियंका गांधी को बधाई देने के तार इतिहास, वर्तमान और भविष्य तीनों से जुड़े हैं। फिलीस्तीन इस वक्त इजरायल के हमलों का शिकार होकर तबाह हो चुका है। युद्ध विराम की कोई सूरत वहां नहीं बन रही है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास को खत्म करने की कसम में मासूम बच्चों को मारने से भी बाज नहीं आ रहे। जिस तरह कंस अपने प्राणों की रक्षा के लिए देवकी के नवजात बच्चों को पटक कर मार देता था, ठीक वैसा ही काम इस समय फिलीस्तीन में किया जा रहा है और दुनिया के ताकतवर नेता कहलाने का घमंड करने वाले लोग मुंह में दही जमा कर बैठे हैं। लेकिन प्रियंका गांधी लगातार इजरायल का खुल कर विरोध कर रही हैं। राजदूत अबू जाजेर से भी उन्होंने कहा कि मैं हर उस मां के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं जिसने अपना बच्चा खोया है। वहीं फिलीस्तीनी राजदूत ने भी फिलीस्तीन अधिकारों को मजबूत करने की पहल में भारत के ऐतिहासिक योगदान को याद किया। इस मुलाकात में इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को भी याद किया गया। फिलीस्तीन राजदूत का यूं प्रियंका गांधी को बधाई देने पहुंचने का अर्थ है कि फिलीस्तीन भविष्य में भी कांग्रेस की भूमिका को रेखांकित कर रहा है। ये और बात है कि मौजूदा निजाम में भाजपा के नेताओं के लिए इजरायल आदर्श बना हुआ है। असम में शहीद दिवस के एक कार्यक्रम में सोनितपुर पहुंचे मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि श्ऐतिहासिक रूप से हमारी सीमाएं बांग्लादेश, म्यांमार और पश्चिम बंगाल के साथ साझा होती हैं। हम (असमिया लोग) 12 जिलों में अल्पसंख्यक हैं। हमें इजरायल जैसे देशों के इतिहास से सीखना होगा कि कैसे ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके और अदम्य साहस के साथ, दुश्मनों से घिरे होने के बावजूद भी यह एक मजबूत देश बन गया है। तभी हम एक जाति (समुदाय) के रूप में जीवित रह सकते हैं।श इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि असम आंदोलन असमिया लोगों की पहचान की रक्षा के लिए था। लेकिन हमें यह स्वीकार करना होगा कि खतरा खत्म नहीं हुआ है। हर दिन, जनसांख्यिकी बदल रही है, हर दिन स्वदेशी लोग भूमि अधिकार खो रहे हैं। गौरतलब है कि असमिया समाज की सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए 1979 से 1985 तक असम आंदोलन चला था, जो 15 अगस्त 1985 को केंद्र सरकार के साथ हुए एक समझौते के साथ खत्म हुआ, इसे असम समझौते के तौर पर जाना जाता है। असम के मुख्यमंत्री अब उसी आंदोलन की याद फिर से जनता को दिलाते हुए आगाह कर रहे हैं कि खतरा खत्म नहीं हुआ है और इसमें वे जिस तरह इजरायल का उदाहरण पेश कर रहे हैं, उससे जाहिर होता है कि वे शांति के महत्व को नकार रहे हैं। देश देख रहा है कि मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच शुरु हुए हिंसक संघर्ष में किस तरह एक हंसता–बसता राज्य तबाह हो गया है। डेढ़ साल बाद भी वहां शांति की कोई सूरत नहीं बन रही। न ही केंद्र सरकार इसमें कोई जिम्मेदारी पूरी करती दिख रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो हाल में ये कह दिया कि पूर्वोत्तर में इस समय अभूतपूर्व शांति है। शायद उन्हें मणिपुर दिख नहीं रहा, या उन्होंने अब उसे भारत का हिस्सा मानना ही छोड़ दिया है। मणिपुर को मोदी सरकार की विभाजनकारी नीति ने पूरी तरह झुलसा दिया है और अब भी भाजपा के नेता शांति की बात न कर भड़काने वाले बयान दे रहे हैं। हिमंता बिस्वासरमा ने बांग्लादेश, म्यांमार के साथ प.बंगाल का जिक्र करके सीधे दुश्मन से तुलना की, जो बताता है कि उनका विश्वास विभाजनकारी और युद्धोन्मादी राजनीति में है। अपने पड़ोसी देशों को सीधे दुश्मन करार देना क्या मोदी सरकार की नीति में भी है, यह स्पष्टीकरण केंद्र को देना चाहिए। क्योंकि प.बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ एक विरोधा प्रदर्शन में हिस्सा लिया, यह प्रदर्शन बांग्लादेश की सीमा से लगे बशीरहाट में हिंदू संगठनों ने आयोजित किया था। इसमें भाषण देते हुए सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि– शहम बांग्लादेश पर निर्भर नहीं हैं। बांग्लादेश हम पर निर्भर हैश अगर हम वहां 97 प्रोडक्ट्स नहीं भेजेंगे तो आपको चावल और कपड़े नहीं मिलेंगे। अगर हम झारखंड में पैदा हो रही बिजली बांग्लादेश नहीं भेजेंगे तो 80प्रश गांव में लाइट नहीं जलेगी।श इतनी धमकी मानो पर्याप्त नहीं थी कि श्री अधिकारी बांग्लादेश पर सीधो युद्ध की चेतावनी ही दे दी, उन्होंने कहा कि श्हासीमारा में 40 राफेल एयरक्रॉफ्ट तैनात हैं। सिर्फ दो विमान भेजने से काम हो जाएगा। भारत की विदेशनीति हमेशा शांति को तरजीह देने की रही है। हमने कभी किसी पर खुद से हमला नहीं किया, लेकिन यहां भाजपा के एक विधायक सीधे पड़ोसी देश को हमले की धमकी दे रहे हैं, व्यापारिक संबंध खत्म करने की चेतावनी दे रहे हैं। तो मोदी सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय का जिम्मा जिन्हें सौंपा गया है, क्या उन्होंने सुवेंदु अधिकारी को इस तरह के वक्तव्य देने के लिए अधिकृत किया है, क्या भारत की विदेश और रक्षा नीति अब भाजपा की सुविधा के मुताबिक चलेगी। सुवेंदु अधिकारी ने तो बांग्लादेश की मोहम्मद युनूस सरकार को अवैधा और तालिबानी बता दिया, साथ ही यह भी कहा कि शेख हसीना ही वहां की वैध प्रधानमंत्री हैं, वो ढाका लौटेंगी और मोहम्मद युनूस को उन्हें सैल्यूट करके रिसीव करना होगा। बांग्लादेश में शेख हसीना को जिस तरह अपदस्थ किया गया, उसका समर्थन भारत ने नहीं किया और शेख हसीना को राजनैतिक शरण देकर सच्चे मित्र और पड़ोसी का धर्म भी निभाया। मोदी सरकार इसके लिए प्रशंसा की पात्र है। लेकिन अब जबकि वहां मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ है, तब इस तरह की टिप्पणियां साफ तौर पर वहां के आंतरिक मामलों में दखल देना है। अल्पसंख्यक कहीं भी हों, किसी भी देश में हों, किसी भी धर्म के हों, उनके अधिकारों की हर हाल में रक्षा होनी चाहिए और उन पर अत्याचार हो तो उसकी आलोचना भी स्वाभाविक है। लेकिन यहां पर सुवेंदु अधिकारी हिंदुत्व की भावनाओं को भुनाने का अतिरेक करते दिख रहे हैं। अब यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निर्भर करता है कि वह अपने बड़बोले नेताओं को किस तरह संयम का पाठ पढ़ाते हैं। चुनावों के वक्त हिंदू–मुसलमान करने का खेल तो भाजपा खेलती ही है और तब उसका जवाब देने के लिए विपक्ष भी मौजूद रहता है। लेकिन पड़ोसी देशों के साथ कूटनीतिक, राजनैतिक शिष्टाचार का पालन करना होता है, वहां धार्मिक विभाजन का खिलवाड़ देश के लिए दूरगामी तौर पर घातक साबित होगा। और चलते–चलते एक सुझाव, भाजपा ठंडे दिमाग से सोचे कि फिलीस्तीन के राजदूत प्रियंका गांधी से मिलने क्यों पहुंचे। उन्हें कांग्रेस की उपयोगिता और इस देश को बनाने में कांग्रेस के योगदान का एहसास हो जाएगा।

विवादास्पद हुआ अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा अपने बेटे को क्षमादान देने का मामला

कल्याणी शंकर

पिछले सप्ताह, अमेरिका और दुनिया भर के लोग इस खबर से स्तब्ध थे कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने बेटे हंटर बाइडेन को क्षमादान दे दिया है। यह क्षमादान विवाद महत्वपूर्ण था। क्षमादान यह सुनिश्चित करता है कि हंटर को उसके कथित अपराधों के लिए सजा नहीं दी जायेगी और वह जेल नहीं जायेगा। उसके मामलों को संभालने वाले न्यायाधीश संभवतरू बंदूक मामले के लिए 12 दिसंबर और कर मामले के लिए 16 दिसंबर को निर्धारित सजा सुनवाई को रद्द कर देंगे। बाइडेन अब राष्ट्रपति कार्यालय के लिए राजनीतिक दौड़ में शामिल नहीं हो रहे हैं। उन्होंने गत जून में राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने से पहले अपने बेटे को क्षमा न करने की प्रतिज्ञा की थी। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति द्वारा क्षमादान ने अक्सर विवाद को जन्म दिया है। हालांकि, कुछ निर्णय– जैसे कि राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा अपने बेटे को क्षमादान देना– दूसरों की तुलना में अधिक आलोचना का कारण बने। संवैधानिक रूप से, राष्ट्रपति क्षमादान दे सकते हैं, एक ऐसी शक्ति जिसका उपयोग पिछले राष्ट्रपतियों ने किया है। परंपरागत रूप से, अमेरिकी राष्ट्रपति पद छोड़ते समय क्षमादान देते हैं। हालांकि, जो बाइडेन द्वारा अपने बेटे को पूर्ण और बिना शर्त क्षमादान देने से इस मुद्दे में जटिलता और सार्वजनिक जांच की एक परत जुड़ गयी है, एक ऐतिहासिक संदर्भ जिसे जनता के लिए समझना महत्वपूर्ण है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि जो बाइडेन ने ऐसा क्यों किया। जो बाइडेन ने अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना किया है। उन्होंने महत्वपूर्ण व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना किया है। वह अपने बेटे को बचाने और सार्वजनिक आलोचना के बीच फंस गये थे। हर कोई जानता है कि वह अपने परिवार के प्रति वफादार है। उनकी छोटी बेटी और पहली पत्नी की एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गयी, जिसमें उनके बेटे ब्यू और हंटर भी घायल हो गये थे। बाइडेन चाहते थे कि ब्यू चुनाव लड़े, लेकिन दुर्भाग्य से ब्यू की 2015 में ब्रेन कैंसर से मृत्यु हो गयी। बाइडेन परिवार के संघर्षों पर इस फोकस का उद्देश्य जनता से सहानुभूति पैदा करना है। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, बाइडेन की दूसरी पत्नी ने जो को अंतिम निर्णय लेने के लिए राजी किया। राष्ट्रपति की क्षमा के प्रति जनता की प्रतिक्रिया आलोचनात्मक और सहायक दोनों है। जबकि कुछ लोग इसे उचित मानते हैं, अन्य इसे उचित नहीं मानते। जनता की ओर से, साथ ही बाइडेन के पार्टी सहयोगियों की ओर से यह मिश्रित प्रतिक्रिया, इस मुद्दे को और जटिल बनाती है। दोनों दलों के राष्ट्रपतियों ने अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल किया है, जिसने लोगों को चौंका दिया है। जॉर्ज वाशिंगटन ने कुछ लोगों को क्षमा करने के लिए शक्ति का इस्तेमाल किया। राष्ट्रपति अक्सर अपने मित्रों और सहयोगियों के लिए अपनी क्षमा शक्ति का इस्तेमाल करते हैं। एक विवादास्पद मामला पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन का था, जिन्हें तत्कालीन राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड ने 8 सितंबर, 1974 को क्षमा कर दिया था। निक्सन को वाटरगेट घोटाले के लिए संभावित अभियोजन का सामना करना पड़ा। 1992 के अंत में, राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश ने ईरान–कॉन्ट्रा मामले में फंसे छह लोगों को क्षमा कर दिया, जिनमें पूर्व रक्षा सचिव वेनबर्गर भी शामिल थे।बिल क्लिंटन, जिन्होंने यह कहने के बावजूद कि वह ऐसा नहीं करेंगे, अपने सौतेले भाई रोजर को कोकीन सम्बंधी आरोपों के लिए क्षमा कर दिया। इसी तरह, डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जेरेडकुशनर के पिता को कर चोरी और सहयोगी गवाह के खिलाफ प्रतिशोध के लिए माफ कर दिया। दोनों पहले ही अपनी जेल की सजा काट चुके थे। अपने पहले कार्यकाल के उत्तरार्ध के दौरान, ट्रम्प ने कई ऐसे व्यक्तियों को माफी दी जो गलत कामों में लिप्त थे। राहत महसूस कर रहे हंटर ने एक बयान में कहा, मैंने अपनी लत के सबसे बुरे दिनों के दौरान अपनी गलतियों को स्वीकार किया है और उनकी जिम्मेदारी ली है – ऐसी गलतियां जिनका इस्तेमाल मुझे और मेरे परिवार को राजनीतिक खेल के लिए सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और शर्मिंदा करने के लिए किया गया है। हंटर बाइडेन के खिलाफ मामला कई वर्षों तक चला, जिसमें कर अपराधों और बंदूक की तस्करी के आरोप शामिल थे। उन्हें जून में दोषी ठहराया गया और सितंबर में कर चोरी के लिए दोषी ठहराया गया। बाइडेन ने कहा कि– हंटर पर चुनिंदा और अनुचित तरीके से मुकदमा चलाया गया और बताया कि आरोप राजनीति से प्रेरित थे। क्षमा का तत्काल प्रभाव यह है कि इससे डेमोक्रेट के लिए ट्रम्प की आलोचना करना कठिन हो जाता है। साथ ही, इसने ट्रम्प को 6 जनवरी की घटनाओं के लिए आरोपित लोगों को क्षमा करने का मौका दिया है। शुरुआत में हंटर को क्षमा न करने की घोषणा करने के बाद बाइडेन के मन में आये बदलाव के अपने कारण थे। उनमें से एक उनकी पत्नी थी, जिन्होंने बाइडेन को ऐसा करने के लिए राजी किया। उन्होंने कहा कि हंटर को केवल इसलिए चुना गया क्योंकि हंटर उनका बेटा था। राष्ट्रपति बाइडेन ने 25 व्यक्तियों को क्षमा किया है, जिनमें से कोई भी सीधे तौर पर उनसे जुड़ा नहीं है। आम तौर पर, राष्ट्रपति अपने कार्यकाल के अंत में कई क्षमा अनुरोधों को मंजूरी देते हैं। फिर भी, क्षमा राष्ट्रपति पद पर जनता के विश्वास को नुकसान पहुंचाती है। राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 20 जनवरी, 2001 को अपने कार्यकाल के अंतिम दिन 140 क्षमादानों पर हस्ताक्षर किये। कई विधिनिर्माता भविष्य के लिए संभावित खराब मिसाल के बारे में चिंतित हैं। समस्या को हल करने का एक तरीका संविधान में संशोधन करना हो सकता है। फिर भी, यह एक लंबी प्रक्रिया है, और किसी भी पार्टी के पास कांग्रेस में इसे पारित करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है। आलोचकों का तर्क है कि यह एक खतरनाक मिसाल कायम कर सकता है और न्याय प्रणाली में जनता का भरोसा खत्म कर सकता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने राष्ट्रपति को पद पर रहते हुए की गई कार्रवाइयों के लिए आरोपित करना अधिक कठिन बना दिया है। वे किसी भी संभावित दोष के लिए राष्ट्रपति को जवाबदेह ठहराने के रास्ते सीमित करते हैं। क्षमादान शक्ति का दुरुपयोग माना जा रहा है, परन्तु हंटर की क्षमादान के बाद, राष्ट्रपति बाइडेन अपने सहयोगियों और अधिकारियों की सुरक्षा के लिए व्यापक क्षमादान देने पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाऊस की प्रेस सचिव कैरिनजीन–पियरे ने कहा कि व्हाइट हाऊस छोड़ने से पहले, बाइडेन अतिरिक्त क्षमादान जारी करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अपने दूसरे कार्यकाल में, ट्रम्प ने घोषणा की कि वह बाइडेन के शपथ लेने के दौरान कांग्रेस में हुए 2021 के टकराव को क्षमा करेंगे। यदि वह जनता की राय का सम्मान करते हैं तो उन्हें क्षमादान देने से पहले सावधान रहना चाहिए।

'बारोज' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचे अक्षय कुमार, मोहनलाल ने किया स्वागत

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की निर्देशक के तौर पर पहली फिल्म 'बारोज' का ट्रेलर लॉन्च हो चुका है। मुंबई में आयोजित लॉन्च इवेंट में बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' फेम अभिनेता अक्षय कुमार भी शामिल हुए। मोहनलाल ने अक्षय को गले लगाकर उनका स्वागत किया। मोहनलाल और अक्षय कुमार ने इवेंट के बाद एक साथ कैमरे के लिए पोज दिए। इवेंट में पहुंचे बॉलीवुड स्टार सफेद शर्ट और खाकी पैंट के साथ सनग्लासेज लगा रखे थे, जिसमें वह काफी जंच रहे थे। मोहनलाल सफेद शर्ट और डार्क नीले रंग की पैंट के साथ ब्लेजर में हैंडसम लग रहे थे। 'बारोज' 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में माया, सीजर लोरेंटे रैटन, कल्लिरोई, तुहिन मेनन और गुरु सोमसुंदरम समेत अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म 'बारोज' का निर्माण मार्च 2021 में शुरू हुआ था। फिल्म की शूटिंग बैंकॉक, कोच्चि, गोवा और चेन्नई के साथ ही देश के अन्य स्थानों पर शूट की गई है। अक्षय कुमार के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता 'भूल भुलैया' के बाद एक बार फिर से दर्शकों को हॉरर–कॉमेडी 'भूत बंगला' के साथ भरपूर मनोरंजन देने को तैयार हैं। अभिनेता ने 10 दिसंबर को खुलासा किया था कि वह अपने पसंदीदा निर्देशक प्रियदर्शन के साथ सेट पर आने के लिए उत्साहित हैं और उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बांग्ला' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का पोस्टर हाल ही में रिलीज हुआ है। नए पोस्टर को इंस्टाग्राम पर साझा कर अभिनेता ने उत्सुक फैंस को फिल्म की रिलीज डेट बताई थी। फिल्म 2 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। अक्षय ने कैप्शन में लिखा, "अपने पसंदीदा प्रियदर्शन के साथ सेट पर आने के लिए बेहद उत्साहित हूं। हम आज अपनी हॉरर–कॉमेडी श्भूत बांग्लाश की शूटिंग शुरू कर रहे हैं। तब तक के लिए आपकी शुभकामनाएं चाहिए।"फिल्म में अक्षय के साथ अभिनेता परेश रावल और राजपाल यादव समेत अन्य सितारे अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। कास्टिंग प्रक्रिया अब भी जारी है, जिसमें तीन अभिनेत्रियों का चयन होना है। अभिनेता ने 9 सितंबर को अपने एक्स पर फिल्म का मोशन पोस्टर साझा किया था। पोस्टर में अक्षय कुमार एक कटोरा लिए नजर आए, जिसमें दूध भरा हुआ है और उनके कंधे पर एक काली बिल्ली खड़ी है। अक्षय ने प्रियदर्शन के साथ कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। इन फिल्मों की लिस्ट में 'हेरा फेरी', 'दे दना दन', 'भूल भुलैया', 'गरम मसाला' और 'खट्टा मीठा' शामिल है।

> “ 'बारोज' २५ दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में माया, सीजर लोरेंटे रैटन, कल्लिरोई, तुहिन मेनन और गुरु सोमसुंदरम समेत अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म 'बारोज' का निर्माण मार्च २०२१ में शुरू हुआ था। फिल्म की शूटिंग बैंकॉक, कोच्चि, गोवा और चेन्नई के साथ ही देश के अन्य स्थानों पर शूट की गई है।

इस साल गूगल पर सबसे ज्यादा खोजा जाने वाला शो रहा 'हीरामंडी'

भारतीय लेखक संजय लीला भंसाली की ओटीटी डेब्यू सीरीज 'हीरामंडी– द डायमंड बाजार' 2024 में वैश्विक स्तर पर गूगल पर सबसे ज्यादा खोजा जाने वाला भारतीय शो रहा। गूगल द्वारा जारी सूची में यह एकमात्र भारतीय शो है। संजय लीला भंसाली की नेटफ्लिक्स पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी' को सूची में चौथा स्थान मिला है। इस शो की कहानी, इसका संगीत, शानदार दृश्य के साथ कलाकारों का बेहतरीन अभिनय इसे खास बनाता है। इस सीरीज में सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल, संजीदा शेख के साथ ताहा शाह बदुशा भी हैं। सीरीज में नवाब ताजदार बलूच की भूमिका निभाने वाले ताहा ने पहले बताया था कि उन्होंने शो में भूमिका पाने के लिए 15 महीने तक ऑडिशन दिया था। अपने ऑडिशन के बारे में बात उन्होंने एक बयान में कहा था, महान लोगों के साथ काम करने का सपना देखते हुए, संजय लीला भंसाली मेरी सूची में सबसे ऊपर थे। मुझे उनके शो के लिए 15 महीने तक लगातार ऑडिशन देने पड़े, और आखिरकार, मुझे मौका मिला। मैं आभारी था कि मुझे उनका मार्गदर्शन प्राप्त करने का मौका मिला। उनसे मिलना सपने जैसा था। जब उन्होंने मुझे एक महत्वपूर्ण किरदार ताजदार के सबसे अच्छे दोस्त के लिए स्क्रीन टेस्ट का सुझाव दिया तो मैं आश्चर्यचकित रह गया। यह ओटीटी सीरीज 1940 के दशक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उथल–पुथल भरी पृष्ठभूमि के खिलाफ वेश्याओं और उनके संरक्षकों की कहानियों के माध्यम से हीरामंडी, एक चमकदार जिले की सांस्कृतिक वास्तविकता को तलाशती है। यह डिजिटल क्षेत्र में संजय लीला भंसाली की उल्लेखनीय शुरुआत और उनके शानदार करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आठ–भाग की सीरीज हीरामंडी द डायमंड बाजार नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

रामायण के लिए शाकाहारी बनने की अफवाहों का साई पल्लवी ने किया खंडन

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और मुखर अभिनेत्री साई पल्लवी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर रामायण के लिए शाकाहारी बनने की अफवाहों का खंडन किया। अभिनेत्री ने अफवाहों को श्मनगढ़ंतश करार देते हुए कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। अफवाहों को लेकर गुस्से में आई अभिनेत्री साई पल्लवी ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर अपनी एक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, अधिकांश समय, लगभग हर बार, जब भी मैं निराधार अफवाहों या मनगढ़ंत झूठ, गलत बयानों को मकसद या बेमकसद फैलते देखती हूं (भगवान जाने) तो मैं चुप रहना ज्यादा पसंद करती हूं और ऐसे मौकों पर कुछ नहीं बोलती। मैं खास तौर पर फिल्मों की रिलीज, घोषणा या मेरे करियर के यादगार पलों के समय किसी तरह की अफवाहों पर आमतौर पर चुप ही रहती हूं। (ऐसा हर बार नहीं होगा) अगली बार जब मैं किसी पेज, मीडिया या व्यक्ति को समाचार या गपशप के नाम पर कोई मनगढ़ंत घटिया कहानी चलाते हुए देखूंगी तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगी। कानूनी कार्रवाई करूंगी! बस!" साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही नितेश तिवारी के निर्देशन में तैयार रामायण में माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी।'रामायण' में माता सीता की भूमिका निभा रहीं साई पल्लवी के साथ रणबीर कपूर राम की भूमिका में तो 'केजीएफ' स्टार यश लंकापति रावण की भूमिका में और लारा दत्ता कैकेयी की और सनी देओल वीर हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। साई पल्लवी अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री का एक पुराना वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अभिनेत्री भारतीय सेना को लेकर विवादित बयान देती नजर आई थीं। वायरल वीडियो में अभिनेत्री कहते नजर आई थीं, पाकिस्तान में लोग सोचते हैं हमारी सेना एक आतंकवादी समूह है, लेकिन हमारे लिए उनकी सेना ऐसी है। इसलिए, नजरिया बदल जाता है। मैं हिंसा को समझ नहीं पाती हूं।

भाविका शर्मा उर्फ सावी ने की गुम है किसी के प्यार में के आने वाले ट्विस्ट और ड्रामा के बारे में खुलकर बात!

टीवी शो गुम है किसी के प्यार मेंश ने अपने दिलचस्प ट्विस्ट और ड्रामेटिक मोमेंट्स से दर्शकों का दिल जीत लिया है। यह शो अपनी अनोखी कहानी और इमोशन्स के साथ दर्शकों को हर एपिसोड में एक नई ऊंचाई पर पहुंचा देता है। लीड रोल में हितेश भारद्वाज (रजत), भाविका शर्मा (सावी), और अमायरा खुराना (साई) ने शानदार अभिनय से शो को और भी दिलचस्प बना दिया है। इस वक्त शो का करंट ट्रैक सावी, रजत और साई के इर्द–गिर्द घूम रहा है, जहां दर्शकों को कई हैरान कर देने वाले पल देखने को मिल रहे हैं। आने वाले एपिसोड्स में और भी बड़े ट्विस्ट देखने को मिलेंगे, जो दर्शकों को उत्सुक बनाए रखेंगे।एक हालिया एपिसोड में एक बड़ा मोड़ आया है, जिसमें कियान बस चला रहा होता है और सावी को यह सूचना मिलती है कि साई, कियान और बाकी बच्चे खतरे में हैं। सावी तुरंत रजत के पास दौड़ते हुए जाती है ताकि उसे इस खतरनाक स्थिति के बारे में बताये। लेकिन इस मोड़ पर कहानी में और ट्विस्ट आता है जब सावी को पता चलता है कि कियान ही वह शख्स था जिसने उसकी मां के साथ हुए हादसे को अंजाम दिया था। यह चौंकाने वाली सच्चाई सावी के दिल को तोड़ देती है और उसे अपने विश्वासघात का एहसास होता है। सावी को यह महसूस होता है कि रजत ने हमेशा कियान को बचाने की कोशिश की लेकिन उसकी मां को बचाने के लिए उसने कभी कुछ नहीं किया। कोर्ट केस के दौरान भी रजत ने कियान की सुरक्षा को प्राथमिकता दी, न कि सावी की मां को। रजत के इस झूठ और विश्वासघात ने सावी के दिल को तोड़ दिया है और अब वह अपने रिश्ते को शक की नजर से देख रही है। आने वाले एपिसोड्स में यह दिखाया जाएगा कि सावी और रजत इस नई मुसीबत का सामना कैसे करते हैं खासकर कियान से जुड़ी नयी जानकारी के बाद। शो में और भी इंटेंस इमोशंस, सस्पेंस और ड्रामा भरपूर होने वाले हैं जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेंगे। भाविका शर्मा, जो शो में सावी का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं, आने वाले एपिसोड्स में आपको एक और गहरा ड्रामा देखने मिलेगा जहां सावी और रजत को कियान, साई और बच्चों की जान को खतरे से बचाना होगा। साथ ही दर्शकों को यह भी देखना मिलेगा कि कियान किस तरह से लापरवाही से बस चला रहा है जिससे पूरी सवारी के लिए खतरनाक स्थिति पैदा हो जाती है। साई, सावी से संपर्क करके उसे गंभीरता से स्थिति के बारे में बताती है और सावी को समय की दौड़ का अहसास होता है। जब सावी को यह पता चलता है कि कियान उसकी मां के हादसे का जिम्मेदार था तो यह सच्चाई उसे हिला देती है। अब सावी और रजत को कियान को रोकने की चुनौती का सामना करना है जबकि वे बच्चों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। यह पूरी स्थिति बहुत भावनात्मक और तनावपूर्ण होगी और दर्शकों को इससे जुड़ी हर नई घटना का इंतजार रहेगा। इस रोमांचक ड्रामा का हिस्सा बनें और 11 दिसंबर को रात 8 बजे श्गुम है किसी के प्यार मेंश देखें, केवल स्टार प्लस पर। शो के निर्माता हैं राजेश राम सिंह, पिया बाजपेयी, प्रदीप कुमार और शैखा परवीन। यह शो हर रोज सोमवार से रविवार रात 8 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होता है!

पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग में भगदड़ के मामले में अभिनेता अल्लू अर्जुन गिरफ्तार, एक महिला की हुई थी मौत

तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को शुक्रवार को हैदराबाद में उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा 2: द राइज' के प्रीमियर के दौरान मची भगदड़ के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। प्रतिष्ठित संध्या थिएटर में मची भगदड़ में 39 वर्षीय महिला की मौत हो गई और उसका नाबालिग बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। हैदराबाद पुलिस के अधिकारी अल्लू अर्जुन के घर पहुंचे और कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें और उनके निजी अंगरक्षक को हिरासत में ले लिया। अभिनेता को हुडी पहने हुए देखा गया, जिस पर उनकी पुष्पा फिल्म का एक मशहूर डायलॉग ष्फूल नहीं, आग है मैंष लिखा था, जिसे पुलिस द्वारा ले जाया जा रहा था। देशभर में लाखों प्रशंसकों वाले अभिनेता को चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन ले जाने से पहले अपनी पत्नी स्नेहा रेड्डी को गले लगाते देखा गया, जहां मामला दर्ज किया गया। वायरल हुए एक वीडियो में अर्जुन को इस बात पर आपत्ति जताते हुए देखा गया कि उन्हें कैसे गिरफ्तार किया गया और कैसे कई पुलिसकर्मी उनके बेडरूम में गए जब वे अपनी ड्रेस बदलने गए थे। पुलिस के आने पर अर्जुन ने हरे रंग की टी–शर्ट पहन रखी थी, लेकिन ले जाए जाने से पहले उन्होंने पुष्पा 2 हुडी पहन ली। अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और संध्या थिएटर प्रबंधन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) और 118(1) (चोट पहुंचाने की सजा) के तहत मामला दर्ज किया गया। संध्या थिएटर के मालिक और दो कर्मचारियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अर्जुन, जिनकी पुष्पा 2 हाल ही में दुनिया भर में 1,000 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली सबसे तेज भारतीय फिल्म बन गई है, को बाद में उनका बयान दर्ज करने के बाद मेडिकल जांच के लिए उस्मानिया अस्पताल ले जाया गया। 4 दिसंबर को भगदड़ तब मची जब बड़ी संख्या में प्रशंसक अर्जुन और उनकी पुष्पा को–स्टार रश्मिका मंधाना की एक झलक पाने के लिए संध्या थिएटर में उमड़ पड़े। पुलिस ने कहा कि थिएटर प्रबंधन ने अभिनेता के आने के बारे में कोई पूर्व सूचना या कोई व्यवस्था नहीं की थी। इसके अलावा, दर्शकों के लिए कोई अलग प्रवेश या निकास नहीं था। पुलिस ने कहा कि भगदड़ तब मची जब थिएटर के गेट, बढ़ती भीड़ के दबाव को झेलने में असमर्थ होकर गिर गए। महिला के पति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद अभिनेता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। अपनी शिकायत में, मगुदमपल्ली भास्कर ने कहा कि उनकी पत्नी रेवती सांस नहीं ले पा रही थीं और गिर गईं, क्योंकि अर्जुन के सुरक्षा दल ने भीड़ को धक्का दिया, जो अभिनेता के आने पर भीड़ की ओर बढ़ गई। अल्लू अर्जुन ने एफआईआर से अपना नाम हटाने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन अभी तक इस पर सुनवाई नहीं हुई है। तेलुगु सुपरस्टार ने अगले दिन अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा कि संध्या थिएटर में हुई इस दुखद घटना से वह ष्बहुत दुखीष हैं। अर्जुन ने कहा कि वह महिला के परिवार से मिलेंगे और हर संभव सहायता करेंगे। अभिनेता ने यह भी कहा कि वह परिवार को 25 लाख रुपये दान कर रहे हैं और महिला के बेटे के इलाज का खर्च वहन करेंगे।

सर्दियों में धूप सेंकने से चंद मिनट में हो जाएंगे तरोताजा, शरीर को मिलेंगे कई फायदे

सर्दियों की गुनगुनी धूप में बैठना आखिर किसे पसंद नहीं होता है। अक्सर लोग सर्दियों में धूप में बैठकर काम करना, नींद लेना और घंटों बैठकर बातें करना काफी अच्छा लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सर्दियों की धूप हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। लेकिन कई बार बिजी शेड्यूल होने के कारण धूप में बैठना या धूप संेकने का मौका नहीं मिल पाता है। जोकि काफी खतरनाक हो सकता है। ठंड में धूप में बैठने से आपको न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक दोनों तरह से लाभ मिलती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में धूप सेंकने से क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

सर्दियों में धूप सेंकने फायदे

अच्छी नींद आएगी

सर्दियों में धूप में बैठने से नींद बेहतर होती है। इससे सर्केडियन लय सुधरती है और अच्छी नींद आती है। क्योंकि सूरज की रोशनी में मेलाटोनिन कंट्रोल होता है, जो नींद को बेहतर बनाने का काम करता है।

हैप्पी हार्मोन का लेवल

सर्दियों में धूप में बैठने से आपको अंदर से खुशी मिलती है। सर्दियों की धूप से शरीर में हैप्पी हार्मोन सेरोटोनिन का लेवल बढ़ता है और यह हार्मोन डिप्रेशन को कम करता है और आपको खुश रखता है। इससे आपको मेंटल पीस मिलता है। सर्दियों में धूप सेंकने से याददाश्त अच्छी होती है।

विटामिन डी की कमी होगी पूरी

हमारे शरीर के लिए विटामिन डी बहुत महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि इस विटामिन की कमी से शरीर में कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं। विटामिन डी से हड्डियां मजबूत होती हैं और इम्यूनिटी बूस्ट होती है। साथ ही यह विटामिन हमारे शरीर में एनर्जी के लेवल को बनाने का काम करता है। सर्दी में धूप सेंकने से हार्ट डिजीज, डायबिटीज और कुछ तरह के कैंसर के खतरे को भी कम किया जा सकता है। बता दें कि विटामिन डी ऑस्टियोपोरोसिस के विकास के खतरे को भी कम करता है।

एनर्जी बढ़ाए

सर्दियों में आलस बढ़ जाता है और यदि आप धूप में बैठते हैं, तो शरीर को एनर्जी मिलती है। धूप सेरोटोनिन के उत्पादन को बढ़ाने के साथ इसे उत्तेजित करता है। इससे ब्रेन सेल्स तक सही संदेश पहुंचता है। सर्दियों में धूप में बैठने से नींद की समस्या, फोबिया, तनाव और सिजोफ्रेनिया जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं।

मजबूत होगी इम्यूनिटी

अगर आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी तो आपका शरीर कई बीमारियों से बचा रहेगा। सर्दी की धूप इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करती है और धूप में बैठने से शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ता है। इससे संक्रमण से बचने में भी सहायता मिलती है। वहीं धूप की कमी से होने वाले सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर भी कम होते हैं।

बस ये एक चीज को अपनी रूटीन में जोड़ें और हेल्थ की सारी समस्याएं होंगी गायब, भूल जाएं डॉक्टर के पास जाना!

सूखे मेवे जैसे काजू, बादाम, अखरोट और किशमिश के फायदे तो हम सभी जानते हैं, लेकिन इनके साथ अंजीर का भी एक खास स्थान है। अंजीर न केवल स्वाद में बेहतरीन है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। इसे ताजे फल और ड्राई फ्रूट दोनों रूप में खाया जाता है। आयुर्वेद में अंजीर को कई बीमारियों के इलाज में कारगर बताया गया है। खास बात यह है कि खाली पेट अंजीर का पानी पीने से भी कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं अंजीर का पानी किन बीमारियों में फायदेमंद है और इसे पीने का सही तरीका क्या है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है

अंजीर में मौजूद विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। यह शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है और सर्दी-खांसी जैसी सामान्य समस्याओं को दूर रखता है। इसमें मौजूद पोटेशियम, जिंक और मैग्नीशियम शरीर को संक्रमणों से बचाने में सहायक होते हैं। अंजीर का नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक प्राकृतिक उपाय है।

वजन घटाने में सहायक

अंजीर का पानी फाइबर से भरपूर होता है, जो न केवल भूख को नियंत्रित करता है बल्कि शरीर के मेटाबॉलिज्म को भी तेज करता है। यह पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाकर फैट बर्न करने में मदद करता है। जो लोग डाइटिंग कर रहे हैं, उनके लिए अंजीर का पानी एक लो-कैलोरी विकल्प हो सकता है। साथ ही, यह शरीर में अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेजी से बढ़ावा देता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

अंजीर के पानी में एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी होता है, जो त्वचा को टॉक्सिन्स से बचाने और उसे प्राकृतिक चमक देने में मदद करता है। यह त्वचा की गहराई से सफाई करता है, मुंहासों को कम करता है और त्वचा की उम्र बढ़ने के संकेतों, जैसे झुर्रियां और दाग-धब्बे, को रोकता है। अंजीर का पानी त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है और डलनेस को दूर करता है।

बालों को मजबूत बनाता है

अंजीर का पानी बालों की जड़ों को पोषण देता है, जिससे बाल मजबूत और घने बनते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम और विटामिन ठ होते हैं, जो बालों को झड़ने से बचाते हैं और उनकी ग्रोथ को बढ़ावा देते हैं। अंजीर के पानी का सेवन करने से बालों की नमी बरकरार रहती है और डैंड्रफ की समस्या भी दूर होती है। यह बालों को चमकदार और स्वस्थ बनाता है।

कैंसर के जोखिम को कम करता है

अंजीर में मौजूद एंटी-कैंसर कंपाउंड्स फ्री रेडिकल्स को खत्म करते हैं, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसमें फाइटोकेमिकल्स और पॉलीफेनॉल्स होते हैं, जो शरीर में कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद करते हैं। अंजीर का पानी पाचन और लीवर को स्वस्थ रखकर भी कैंसर के खतरे को कम करता है।

ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है

अंजीर के पानी में आयरन और पोटैशियम की उपस्थिति ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाती है। यह शरीर के सभी हिस्सों में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की सही मात्रा पहुंचाने में मदद करता है। बेहतर रक्त प्रवाह से मांसपेशियों और अंगों की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे शरीर ऊर्जा से भरपूर महसूस करता है।

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है

अंजीर में पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर होता है, जो शरीर से हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को हटाने में मदद करता है। यह अच्छे कोलेस्ट्रॉल (भ्क्स) के स्तर को बढ़ाता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। अंजीर का पानी ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में भी सहायक है और हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

लीवर और किडनी को स्वस्थ रखता है

अंजीर का पानी शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर लीवर और किडनी को डिटॉक्स करता है। यह किडनी स्टोन को बनने से रोकता है और यूरिनरी ट्रैक्ट को साफ रखता है। लीवर के कार्य को बेहतर बनाने के लिए अंजीर का पानी एक प्राकृतिक उपाय हो सकता है।

पाचन तंत्र को साफ करता है

अंजीर में प्राकृतिक फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। खाली पेट अंजीर का पानी पीने से कब्ज, एसिडिटी और गैस की समस्या दूर होती है। यह आंतों की सफाई करके पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है। अंजीर का पानी पेट की सूजन को कम करने में भी मदद करता है।

थकान और कमजोरी को दूर करता है

अंजीर का पानी तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें प्राकृतिक शर्करा होती है, जो शरीर को तुरंत एक्टिव और तरोताजा महसूस कराती है। यह शारीरिक और मानसिक थकान को दूर करने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहता है।

अंजीर का पानी हृदय और मस्तिष्क के लिए फायदेमंद

अंजीर का पानी न केवल हृदय को स्वस्थ रखता है, बल्कि यह मस्तिष्क के कार्यों को भी बेहतर बनाता है। इसमें ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी एसिड होते हैं, जो ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करते हैं और मेमोरी को बढ़ाते हैं। यह डिप्रेशन और स्ट्रेस को कम करने में भी मदद करता है।

अंजीर का सही सेवनः कुछ जरूरी टिप्स

1. अंजीर का पानी सुबह खाली पेट पीना सबसे अधिक फायदेमंद है।
2. डायबिटीज के मरीज इसे सीमित मात्रा में ही लें।
3. अंजीर को अत्यधिक मात्रा में न खाएं, क्योंकि यह शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है।
4. गर्मियों में इसे ठंडे पानी में भिगोकर खाएं।

अंजीर का पानी एक सुपरफूड की तरह काम करता है। यह दिल, हड्डियों, त्वचा, बालों और पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और बेहतर स्वास्थ्य का अनुभव करें।

गैस, एसिडिटी ने कर दिया है परेशान तो हो जाइए सावधान, ये कैंसर का हो सकता है संकेत !

एक नए अध्ययन के अनुसार,शुरुआती कोलोरेक्टल कैंसर (सीआरसी), जिसे कोलन कैंसर भी कहा जाता है दुनिया में तेजी से बढ़ रहा है। यह 25-49 वर्ष की आयु के लोगों को अपना शिकार बना रहा है। कोलोरेक्टल कैंसर एक गंभीर बीमारी है, लेकिन शुरुआती चरण में इसे पहचानकर इलाज किया जा सकता है। कुछ लक्षणों को कोलन कैंसर के रेड सिग्नल माना जाता है। अगर यह दिख रहे हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

क्या है कोलन कैंसर

कोलन कैंसर बड़ी आंत में होने वाली बीमारी है, वैसे तो इसका सबसे ज्यादा खतरा बुजुर्गों में होता है, लेकिन किसी भी उम्र का व्यक्ति इसका शिकार हो सकता है, खासतौर पर डायबिटीज से ग्रसित मरीज। डायबिटीज के मरीजों में उन लोगों की तुलना में कोलन कैंसर का खतरा 47 प्रतिशत अधिक होता है जो डायबिटीज फ्री होते हैं। वैसे तो कोलन कैंसर का खतरा महिलाओं और पुरुषों दोनों को रहता है, लेकिन आंकड़ों के अनुसार पुरुषों में इसके मामले ज्यादा देखने को मिलते हैं।

कोलोरेक्टल कैंसर की सबसे बड़ी वजहें

- अधिक वसा, लाल मांस, और प्रोसेस्ड फूड का सेवन।
- परिवार में कोलोरेक्टल कैंसर के मामलों का इतिहास।
- शारीरिक गतिविधियों की कमी।
- इनके सेवन से कैंसर का खतरा बढ़ता है।
- मोटापा इस कैंसर के प्रमुख जोखिम कारकों में से एक है।
- क्रॉनिक इन्फ्लेमेटरी डिजीज जैसे कि क्रोहन डिजीज या अल्सरेटिव कोलाइटिस ।

लक्षण

1. मल में खून आना।
2. अचानक वजन घटना।
3. पेट दर्द या क्रैंप्स।
4. मल त्याग की आदतों में बदलाव (कब्ज या दस्त)।
5. लगातार थकावट।
6. मलाशय में असामान्य डिसचार्ज।

पेट से जुड़ी दिक्कतों को ना करें नजरअंदाज

डाइट में जंक फूड, रेड मीट बहुत ज्यादा लिया जाता है और गट हेल्थ स्वस्थ नहीं होती, तो भी ये कोलन कैंसर होने का कारण बन सकता है। कोलोरेक्टल कैंसर आंत व मलाशय से जुड़ा है जिसके कारण पेट से जुड़ी दिक्कतें शुरू हो सकती हैं। सीडीसी के मुताबिक इसमें पेट साफ करने की आदत में बदलाव, मल में खून आना, डायरिया-कब्ज, पेट दर्द-क्रैम्प या बेवजह वजन घटना शामिल है।

किसे ज्यादा खतरा है?

50 वर्ष से अधिक उम्र के लोग या 2. मधुमेह या मोटापे के शिकार व्यक्ति को यह अपनी चपेट में जल्द लेता है। जो लोग अधिक मात्रा में प्रोसेस्ड फूड और मांस खाते हैं उन्हें भी सावधान रहने की जरूरत है।

उपचारः

सर्जरीः कैंसरग्रस्त हिस्से को हटाना।

कीमोथैरेपीः कैंसर कोशिकाओं को खत्म करना।

रेडिएशन थैरेपीः कैंसर के स्थान पर रेडिएशन से उपचार।

इम्यूनोथैरेपीः शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना।

नवीनतम तकनीकेंः टार्गेटेड थैरेपी और बायोलॉजिकल उपचार।

रोकथाम

1. फाइबर युक्त आहार, फल, और सब्जियां खाएं।
2. नियमित व्यायाम करें।
3. वजन नियंत्रित रखें।
4. धूम्रपान और शराब का सेवन न करें।
5. 50 वर्ष की आयु के बाद कोलोरेक्टल स्क्रीनिंग कराएं।
6. परिवार के इतिहास के आधार पर डॉक्टर से नियमित परामर्श करें।

रोजाना कॉफी पीने से बढ़ सकती है उम्र, जानें इसके अनगिनत फायदे

अगर आप अपने दिन की शुरुआत एक कप गर्मागर्म कॉफी से करते हैं, तो यह खबर आपके लिए खुशखबरी से कम नहीं है। रिसर्च में खुलासा हुआ है कि रोजाना कॉफी पीने से न केवल दिनभर तरोताजा महसूस होता है, बल्कि आपकी उम्र भी बढ़ सकती है। कॉफी पीने से उम्र बढ़ने का दावा : जर्नल एजिंग रिसर्च रिव्यूज में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, कॉफी पीने वाले लोगों की उम्र सामान्य लोगों के मुकाबले 2 साल तक ज्यादा हो सकती है। यह शोध बताता है कि कॉफी में पाए जाने वाले 2,000 से ज्यादा बायोएक्टिव कम्पाउंड्स सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।

दिल और पुरानी बीमारियों से बचाव : रिसर्च के अनुसार, कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दिल की बीमारियों और कई अन्य पुरानी बीमारियों के खतरे को कम करते हैं। इसके अलावा, यह सोचने-समझने की क्षमता को बेहतर बनाता है और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्याओं से बचाने में मदद करता है।

एंटी-एजिंग गुणों से भरपूर : कॉफी में एंटी-एजिंग गुण भी होते हैं, जो शरीर की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं। यह न्यूरोइंफ्लेमेशन को कम करता है और इंसुलिन संवेदनशीलता को नियंत्रित करता है, जिससे शरीर को स्वस्थ रहने में मदद मिलती है।

लीवर को रखता है स्वस्थ : शोध में यह भी पाया गया है कि कॉफी लीवर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है। यह शरीर में हानिकारक तत्वों को कम करने में सहायक है, जिससे लीवर बेहतर तरीके से काम करता है।

सावधानी भी जरूरी : हालांकि, बहुत अधिक कॉफी पीना नुकसानदायक हो सकता है। इससे शरीर में कैफीन की मात्रा बढ़ जाती है, जो नींद की समस्या और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकती है। इसीलिए कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में करना जरूरी है।

संक्षिप्त

गोयल का उद्योग जगत से कौशल प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर देकर दिव्यांगजन को सशक्त बनाने का आग्रह

नयी दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग जगत के दिग्गजों से दिव्यांगजनों को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत को ब्रेल लिपि में कौशल विकास उपलब्ध कराने के तरीके खोजने चाहिए और अन्य शारीरिक अक्षमता वाले लोगों के लिए भी कौशल विकास उपलब्ध कराना चाहिए। गोयल ने कहा कि कुछ ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है जो उन्हें स्वतंत्र बनने में मदद करेंगे। मुंबई में एसईईपीजेड के उदाहरण का उल्लेख करते हुए गोयल ने प्रतिभागियों को दिव्यांगजन की ताकत की पहचान करके और उन्हें रोजगार योग्य बनाकर उन्हें सक्षम बनाने को एक मिशन के रूप में लेने का सुझाव दिया। एसईईपीजेड में 1,500 दृष्टिबाधित बच्चों को रत्न और आभूषण क्षेत्र द्वारा उसी उद्योग में नौकरियों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ”शिकायत और ग्राहक सहायता केंद्र ऐसे क्षेत्र हैं जहां दिव्यांगजन काम कर सकते हैं, और यहां तक कि खेल में भी। हम दिव्यांगजनों को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए खेल महोत्सवों को भी बढ़ावा दे सकते हैं।

RBI को रूसी भाषा में मिली बम की धमकी वाला ईमेल, एक महीने में दूसरी घटना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को शुक्रवार (13 दिसंबर) को रूसी भाषा में लिखा एक मेल मिला, जिसमें बैंक के मुंबई परिसर को विस्फोटकों से उड़ाने की धमकी दी गई। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में माता रमाबाई मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक को बम से उड़ने की धमकी मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर गुरुवार 12 दिसंबर की दोपहर को एक धमकी भरा ईमेल आया था, जो रूसी भाषा में लिखा गया था। इस ईमेल में रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया को उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ माता रमाबाई मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया जा चुका है। रूसी भाषा में धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद सभी सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गई है। एजेंसी अभी पता लगाने की कोशिश में झूठी है कि किसी ने शरारत करते हुए यह धमकी भरा इमेज तो नहीं भेजा। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है साथ ही वीपीएन और आईपी एड्रेस के जरिए ईमेल भेजने वाले का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। इस मामले की जांच में क्राइम ब्रांच और एक्सपट्‌र्स भी लगे हुए हैं।

पिछले महीने भी मिली थी धमकी

बता दे कि इससे पहले पिछले महीने भी भारतीय रिजर्व बैंक की कस्टमर केयर नंबर पर एक कॉल आया था। इस काल में कॉलोनी खुद को लश्कर एक तैयबा का सीईओ बताते हुए सेंट्रल बैंक को बम से उड़ाने की धमकी दी थी।

इन सर्दियों में थाइलैंड, वियतनाम, लंदन, बाली के लिए उड़ान बुकिंग में 80–100 प्रतिशत का उछाल

मुंबई, एजेंसी। इस साल सर्दियों के दौरान थाइलैंड, वियतनाम, लंदन और बाली शीर्ष विदेशी यात्रा स्थलों में उभरे हैं। यात्रा ऐप ‘इक्सिगो’ और बस टिकट करने के ऑनलाइन मंच ‘अभीबस’ ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि इन स्थानों के लिए उड़ान बुकिंग में 80–100 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू स्तर पर, सुंदर ठंडे परिदृश्य और बर्फबारी के आकर्षण के कारण इस मौसम में अधिक यात्री पहाड़ों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। जम्मू, श्रीनगर और देहरादून जैसे उत्तर भारत के प्रमुख पहाड़ी स्टेशनों पर उड़ान बुकिंग में वृद्धि देखी जा रही है। इक्सिगो ने कहा कि इसके साथ ही शिरडी, तिरुपति, अमृतसर और वाराणसी जैसे आध्यात्मिक स्थलों के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 22 प्रतिशत से लेकर 669 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है। आंकड़ों में बताया गया कि 20 दिसंबर, 2024 से दो जनवरी, 2025 तक बैंकॉक, फुकेट, अबू धाबी, कोलंबो, सिंगापुर, लंदन, वियतनाम, बाली और दुबई जैसे अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की यात्रा के लिए उड़ान बुकिंग में सालाना 48–174 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आंकड़ों के अनुसार, हवाई किराये (एकतरफा) के संदर्भ में, मुंबई–हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम) जैसे कुछ मार्गों पर 30 दिन की अग्रिम खरीद तिथि (एपीडी) के आधार पर छह प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई है, जबकि मुंबई–फुकेट जैसे अन्य मार्गों पर 47 प्रतिशत तक की वार्षिक वृद्धि देखी गई है। दूसरी ओर मुंबई–लंदन मार्ग पर प्रस्थान के लिए हवाई किराये में सालाना 46 प्रतिशत की गिरावट आई है। नई दिल्ली–हो ची मिन्ह सिटी मार्ग पर हवाई किराये में 18 प्रतिशत की गिरावट आई है। एकतरफ़ा हवाई किराये की गणना 24 दिसंबर, 2023–एक जनवरी, 2024 के प्रस्थान के लिए और 24 दिसंबर, 2024–एक जनवरी, 2025 के प्रस्थान के लिए की गई है। आंकड़ों के अनुसार, घरेलू स्तर पर हवाई किराये (एकतरफा) के मामले में, दिल्ली–हैदराबाद (प्रस्थान) जैसे मार्गों पर 30 दिन की एपीडी आधार पर पिछले साल की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बेंगलुरू–लखनऊ और पुणे–नई दिल्ली मार्गों पर यह वृद्धि मात्र तीन प्रतिशत रही है। दूसरी ओर, चेन्नई–कोलकाता मार्ग पर प्रस्थान के लिए हवाई किराये में 34 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन कोलकाता–हैदराबाद मार्ग पर केवल तीन प्रतिशत की गिरावट आई है।

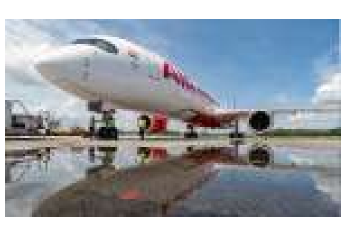

पैट कमिंस ने भारतीय बल्लेबाजों को गाबा पर शॉर्टपिच गेंदों से परेशान करने की चेतावनी दी

पैट कमिंस ने एडीलेड टेस्ट के बाद अब यहां तीसरे टेस्ट में भी भारतीय बल्लेबाजों को ‘बाउंसर्स’ से परेशान करने की चेतावनी दी है। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों खासकर कमिंस ने एडीलेड में गुलाबी गेंद टेस्ट की दोनों पारियों में भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया।

गाबा, एजेंसी। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने एडीलेड टेस्ट के बाद अब यहां तीसरे टेस्ट में भी भारतीय बल्लेबाजों को ‘बाउंसर्स’ से परेशान करने की चेतावनी दी है। आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों खासकर कमिंस ने एडीलेड में गुलाबी गेंद टेस्ट की दोनों पारियों में भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। आस्ट्रेलिया ने वह टेस्ट दस विकेट से जीतकर श्रृंखला में 1–1 से बराबरी की। कमिंस ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,‘‘एडीलेड टेस्ट में यह रणनीति कारगर रही। यह प्लान बी के रूप में हमेशा जेहन में रहता है।’’ उन्होंने कहा ,‘‘ अगर यह वाकई उन्हें असहज बना रहा था तो हम इसे प्लान ए भी बना सकते हैं। एडीलेड में यह असरदार रहा और मुझे यकीन है कि तीसरे टेस्ट में भी काम करेगा।’’ कमिंस ने जसप्रीत बुमराह का आत्मविश्वास के साथ सामना करने वाले अपने बल्लेबाजों की भी तारीफ की जो पर्थ टेस्ट में ऐसा नहीं कर पाये थे। उन्होंने कहा ,‘‘ हम पेशेवर क्रिकेटर हैं और इसके लिये तैयार रहते हैं। हमारे खिलाड़ी हर चुनौती का सामना करने को तत्पर रहते हैं, चाहे हालात जो हों।’’ अनुभवी स्टीव स्मिथ ने अभी तक श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन कमिंस को यकीन है कि वह जल्दी ही फॉर्म में लौटेगा। उन्होंने कहा, ‘‘वह नेट्स पर अच्छा कर रहा है। मुझे यकीन है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। वह काफी अनुभवी है और अच्छी पारी ज्यादा दूर नहीं है।’’ हरफनमौला मिचेल मार्श ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाने के लिये आक्रामक खेलने की रणनीति अपनाने को कहा था लेकिन कमिंस ने कहा कि बल्लेबाजी रणनीति व्यक्तिगत पसंद का मामला है। उन्होंने कहा, ‘‘ट्रेविस और मिच स्वाभाविक तौर पर स्ट्रोक्स खेलने वाले बल्लेबाज हैं। गाबा पर पहले दिन से दूसरा या तीसरा दिन अलग होगा लिहाजा अपनी ताकत पर खेलना जरूरी है। ट्रेव ने पिछले सप्ताह यही किया।’’ कमिंस ने स्वीकार किया कि कप्तान होने के नाते उन पर हमेशा दबाव होगा लेकिन उन्होंने कहा कि इस दबाव के साथ जीना उन्होंने सीख लिया है। उन्होंने कहा, ‘‘टेस्ट क्रिकेट खेलते समय हमेशा दबाव रहता है। कप्तान होने पर काफी जिम्मेदारी आप पर होती है। इसमें कोई नयी बात नहीं है। पर्थ टेस्ट में हम अच्छा नहीं खेल सके और आलोचना लाजमी थी। कुछ सही थी तो कुछ नहीं लेकिन आपको पता है कि जो सही नहीं है, उसे खारिज किया जा सकता है।

गाबा टेस्ट रोहित शर्मा करेंगे ओपनिंग ? भारतीय प्लेइंग 11 में हो सकते हैं ये दो बड़े बदलाव

गाबा टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत के खिलाफ अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। वहीं टीम इंडिया अपनी प्लेइंग इलेवन का खुलासा अमूमन मैच से पहले टॉस के दौरान करेंगी। लेकिन संभावना जताई जा रही है कि रोहित शर्मा इस मैच में अपनी बल्लेबाजी क्रम में एक बार फिर बदलाव करेंगे, साथ ही टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की वापसी हो सकती है।

शनिवार 14 दिसंबर से शुरू होने वाले गाबा टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत के खिलाफ अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। वहीं टीम इंडिया अपनी प्लेइंग इलेवन का खुलासा अमूमन मैच से पहले टॉस के दौरान करेंगी। लेकिन संभावना जताई जा रही है कि रोहित शर्मा इस मैच में अपनी बल्लेबाजी क्रम में एक बार फिर बदलाव करेंगे, साथ ही टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा की वापसी हो सकती है। पर्थ टेस्ट में रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में केएल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी का आगाज किया था। जिस कारण टीम इंडिया के इसी बल्लेबाजी क्रम को एडिलेड में दोहराया गया और रोहित शर्मा नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने आए लेकिन वह कुछ कमाल नहीं दिखा पाए। दोनों पारियों में उन्होंने कुल मिलाकर 9 रन ही जोड़े। ऐसे में अब कयास लगाए जा रहे हैं कि हिटमैन गाबा टेस्ट में अपने नियमित ओपनिंग पोजिशन पर ही खेलते हुए नजर सकते हैं। वहीं पिछले कुछ समय से भारतीय टीम में बतौर फ्लोटर खेल रहे केएल राहुल मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हुए नजर आ सकते हैं। केएल राहुल के मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करने से टीम को अधिक फायदा हो सकता है।

राहुल ना सिर्फ विकेट पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को तंग कर सकते हैं, साथ ही टेल को एक्सपोज होने से बचा सकते हैं। इसके अलावा गाबा टेस्ट में भारत अपनी बैटिंग यूनिट को मजबूत करने के लिए रविंद्र जडेजा को मौका दे सकता है। पहले टेस्ट में वॉशिंटन सुंदर और दूसरे में आर अश्विन को प्लेइंग 11 में जगह मिली थी, लेकिन दोनों ही स्पिनर कुछ कमाल नहीं दिखा पाए थे। जडेजा एक छोर से लगातार गेंदबाजी कर दूसरे छोर से कप्तान को अपने बोलर्स रोटेट करने का भी बेहतर विकल्प देते हैं। वहीं, बॉलिंग यूनिट में भी चेंजिस देखने को मिल सकते हैं। हर्षित राणा के लिए एडिलेड टेस्ट निराशाजनक रहा था। ऐसे में रोहित शर्मा आकाशदीप को मौका देकर अपनी पेस बैटरी को और मजबूत करना चाहेंगे।

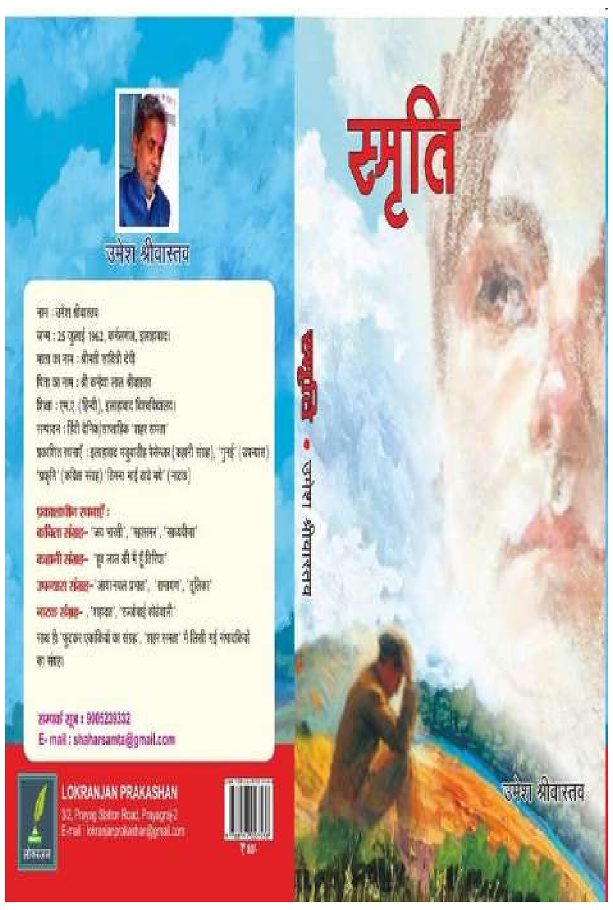

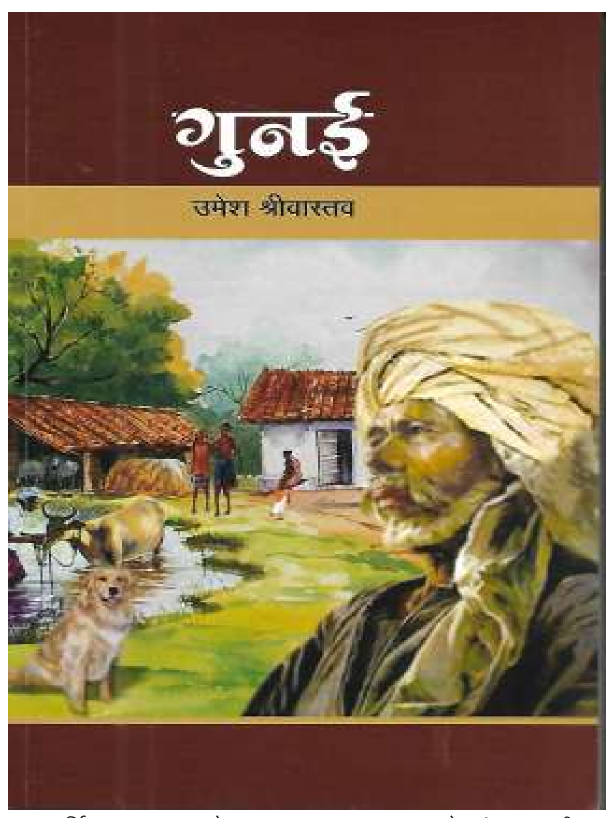

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

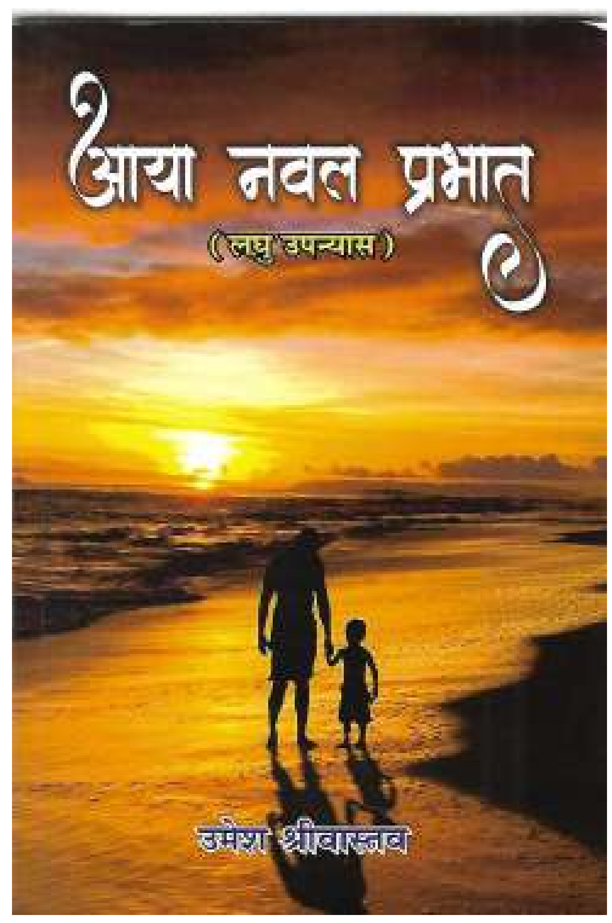

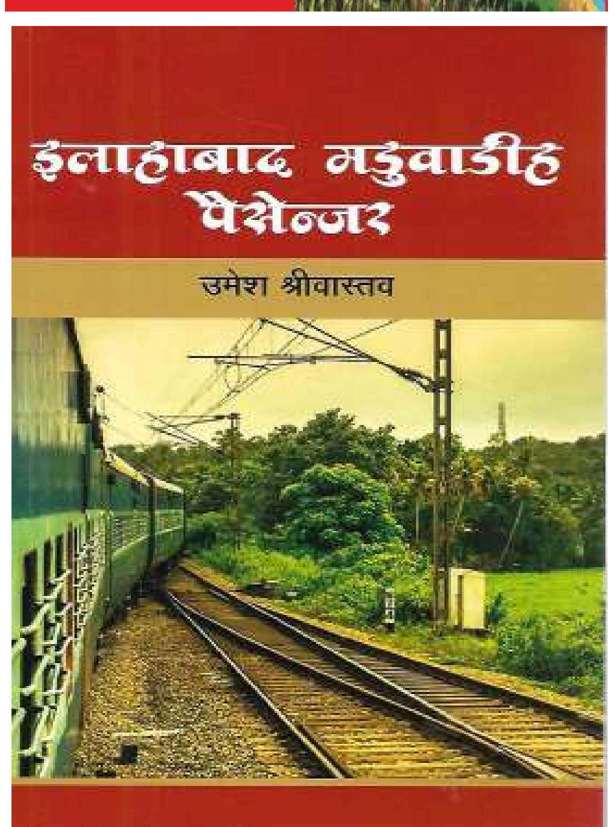

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

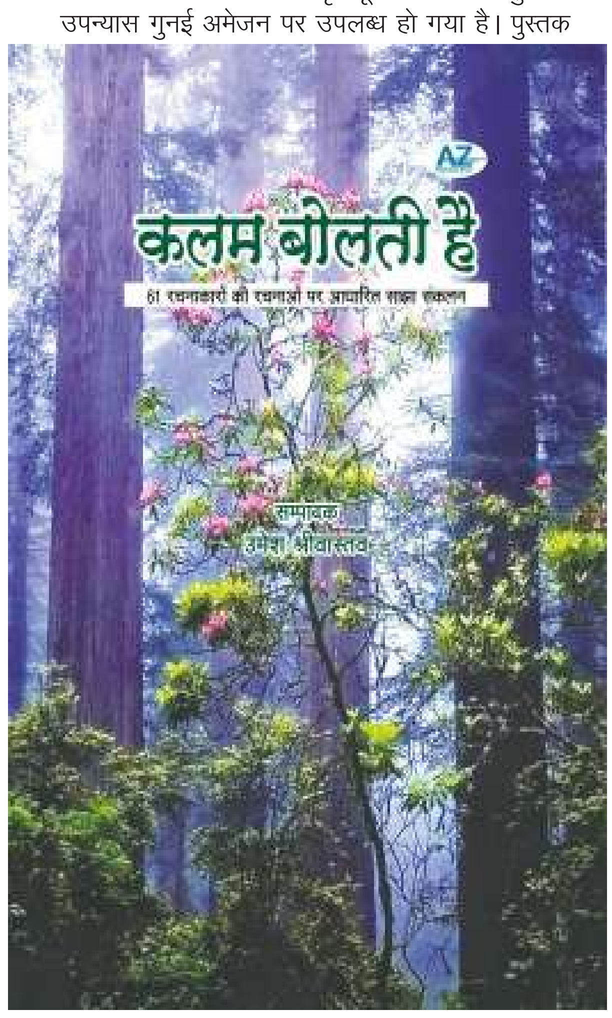

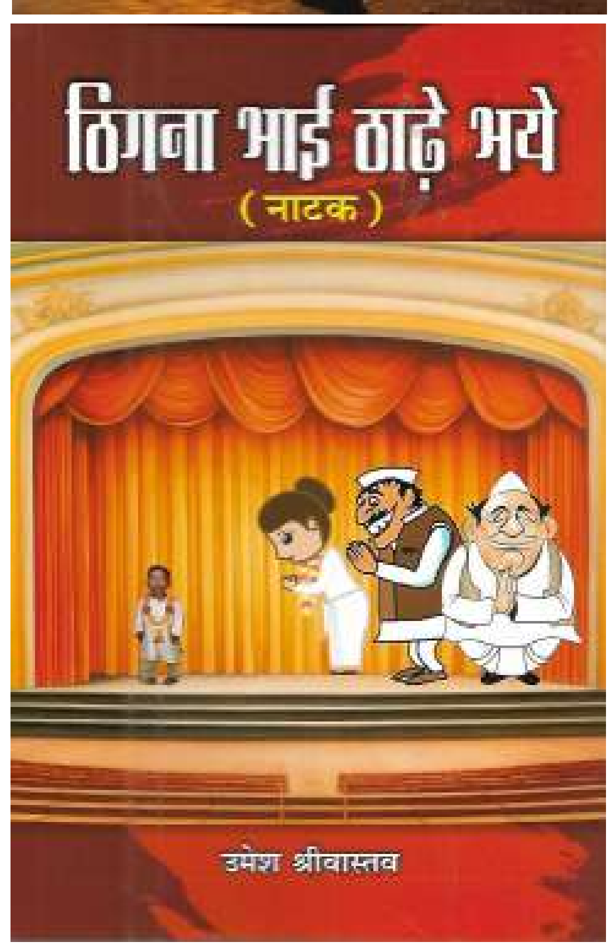

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

गाजा पर इजराइल के हमले में 25 लोग मारे गए

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी पर इजराइल के हवाई हमले में कम से कम 25 फलस्तीनी मारे गए और कई घायल हो गए। फलस्तीनी चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कुछ घंटे पहले ही गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम समझौते की उम्मीद जताई

थी। गाजा पट्टी के उत्तर में स्थित अल–अवदा अस्पताल और मध्य गाजा के अल–अक्सा अस्पताल के प्राधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को शहरी नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत पर इजराइल द्वारा किए गए हमले के बाद कुल 25 शव अस्पताल लाए गए। फलस्तीनी चिकित्सकों ने बताया कि हमले में घायल हुए 40 से अधिक लोगों का इन दोनों अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है और इसमें अधिकतर बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि इजराइल के हमले में नुसेरात में कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। इस घातक हमले के संबंध में इजराइली सेना ने फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कुछ ही घंटे पहले येरूशलम में संवाददाताओं से कहा था कि लेबनान में इजराइल के संघर्षविराम से गाजा में युद्ध को समाप्त करने के वास्ते एक समझौता होने का रास्ता साफ हुआ है। वह संघर्षविराम की वार्ता में शामिल प्रमुख मध्यस्थ देशों कतर और मिस्र की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के बेहतर स्वास्थ्य की कामना की

ब्राजील, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को इस बात पर खुशी जताई कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा मस्तिष्क की सर्जरी के बाद ठीक होने की राह पर हैं। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना भी की। लूला (79) को गंभीर सिरदर्द की शिकायत के बाद पिछले दिनों अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी सर्जरी की गई। ब्राजील के राष्ट्रपति की ओर से एक्स पर साझा किए उनके स्वास्थ्य बुलेटिन संबंधी पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा की सर्जरी अच्छी तरह से हुई और वह ठीक होने की राह पर हैं। उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

न्यूयॉर्क राजमार्ग पर विमान दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, दूसरा घायल

न्यूयॉर्क, एजेंसी। वेस्टचेस्टर काउंटी में न्यूयॉर्क राजमार्ग पर बृहस्पतिवार रात एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण उस पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। विमान में दो लोग सवार थे। दुर्घटना के कारण मैनहट्टन से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर–पूर्व की ओर हैरिसन में अंतरराज्यीय राजमार्ग – 684 पर शाम करीब सात बजे यातायात अवरुद्ध हो गया। घटनास्थल से प्राप्त वीडियो में क्षतिग्रस्त सफेद विमान मध्य में रेलिंग के पास खड़ा दिखा और आपातकालीन वाहनों ने यातायात को अवरुद्ध कर दिया है। गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि हादसे के बाद विमान के ईंधन को साफ करने के लिए पर्यावरण संरक्षण विभागके कर्मी मौके पर हैं। होचुल ने एक बयान में कहा, ''इस दुखद घटना के दौरान पीड़ित के प्रियजनों के प्रति मेरी संवेदना है और मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहा हूं।

ताइवान के आसपास अपनी हालिया गतिविधि को लेकर चीन की सेना ने साधी चुप्पी

बीजिंग, एजेंसी। चीन की सेना इस सप्ताह ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर नौसैनिक और तटरक्षक जहाजों की तैनाती पर शुक्रवार को चुप्पी साधे रखी। ताइवान के अधिकारियों ने कहा कि चीन जहाजों की तैनाती करके नाकाबंदी कर रहा है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने अब तक इस गतिविधि पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। मंत्रालय के शीर्ष प्रवक्ता वू कियान ने अपने बयान में युद्ध रणनीति से जुड़े एक प्राचीन चीनी ग्रन्थ "द आर्ट ऑफ वॉर" के एक प्रख्यात उद्धरण का उल्लेख किया कि सैन्य रणनीति बदलती परिस्थितियों के अनुसार ऐसे ही ढलती है, जैसे बहता पानी। प्रवक्ता ने कहा कि सेना अपनी आवश्यकताओं और स्थिति के आधार पर अभ्यास करने

का निर्णय लेती है, और किसी भी स्थिति में, देश की जन मुक्ति सेना ताइवान की स्वतंत्रता का विरोध करने और चीन के साथ उसके पुनर्मिलन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। ताइवान के अधिकारियों ने चीन की गतिविधि को प्रशिक्षण बताया, क्योंकि चीन की ओर से इस बात की कोई पुष्टि नहीं की गई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर बाइडेन की पैनी नजर, व्हाइट हाउस का बयान सुन बढ़ जाएगी यूनुस की टेंशन

वासिंग्टन, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर अमेरिका चिंतित है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बांग्लादेश की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और अमेरिका धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश की अंतरिम सरकार को जवाबदेह ठहराएगा। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा कि पूर्व प्रधान मंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति कठिन हो गई है। किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम चुनौती से निपटने के लिए उनकी कानून

प्रवर्तन और सुरक्षा सेवाओं की क्षमता बढ़ाने के लिए अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन के बाद हसीना को प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया था। बांग्लादेश में पिछले कुछ हफ्तों में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के साथ–साथ मंदिरों पर हमले भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी बांग्लादेशी नेताओं के साथ अपनी बातचीत में बहुत स्पष्ट रहे हैं कि धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों की सुरक्षा बिल्कुल महत्वपूर्ण है, और अंतरिम सरकार के नेताओं ने धर्म या जातीयता की परवाह किए बिना सभी बांग्लादेशियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए बार–बार प्रतिबद्धता जताई है। किर्बी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि हम उन्हें उसी पर कायम रखना चाहते हैं। पिछले कुछ हफ्तों में, भारतीय अमेरिकियों ने व्हाइट हाउस के सामने, शिकागो, न्यूयॉर्क, एसएफओ, डेट्रॉइट, ह्यूस्टन और अटलांटा सहित कई शहरों में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन और मार्च आयोजित किए हैं, जिसमें बाइडेन से अल्पसंख्यक के खिलाफ कथित क्रूरता को रोकने में मदद करने का आग्रह किया गया है। इससे पहले दिन में, भारतीय–अमेरिकी कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने राज्य सचिव के पद के लिए सीनेटर मार्को रुबियो की पुष्टि की सुनवाई के दौरान सीनेट की विदेश संबंध समिति के सदस्यों से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, मुख्य रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने का आग्रह किया।

इंडिया–मिडिल ईस्ट कॉरिडोर IMEC से बदलेगी भारत की तस्वीर

पीएम मोदी और यूएई के पूर्व प्रधानमंत्री के बीच हुई बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने एक रणनीतिक पहल, भारत–मध्य पूर्व–यूरोप कॉरिडोर (आईएमईईसी) के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए गुरुवार को उच्च स्तरीय वार्ता की। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और समृद्धि को बढ़ाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा के दौरान IMEEC के महत्व पर जोर दिया और इसे आर्थिक कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ाने के लिए एक परिवर्तनकारी परियोजना बताया। उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को भी शुभकामनाएं दीं। वार्ता में दोनों देशों के बीच सामान्य उच्च स्तरीय द्विपक्षीय सहयोग पर प्रकाश डाला गया, जिसमें सितंबर 2024 में अबू धाबी के

क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत यात्रा भी शामिल थी, जिसे पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों में पीढ़ीगत निरंतरता का संकेत बताया। दोनों नेताओं ने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच निम्नलिखित क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक सहयोग को गहरा करने के महत्व पर जोर दिया। जबकि संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री ने भी पश्चिम एशिया में मौजूदा स्थिति पर अंतर्दृष्टि साझा की, पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति, स्थिरता और स्थिरता के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले भारतीय प्रवासियों के कल्याण का समर्थन करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। ये क्षेत्र द्विपक्षीय संबंधों का अभिन्न अंग हैं, जो आर्थिक और सांस्कृतिक आदान–प्रदान में योगदान करते हैं।

भारत ने गाजा में युद्ध विराम की मांग वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है जिसमें गाजा में तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्ध विराम की मांग की गई तथा सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई पर जोर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गाजा में तत्काल संघर्ष विराम की मांग वाले प्रस्तावों को भारी बहुमत से मंजूरी दी तथा फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी का समर्थन किया। इंडोनेशिया की ओर से ''गाजा में संघर्ष'' विषयक मसौदा प्रस्ताव 193 सदस्यीय महासभा

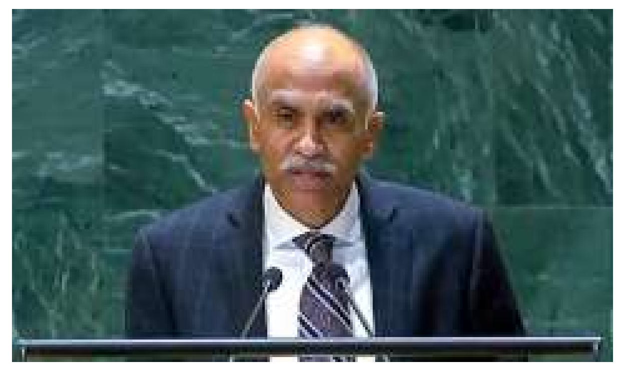

में बुधवार को पेश किया गया जिस पर मतदान हुआ। भारत उन 158 देशों में शामिल रहा जिन्होंने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जबकि इजराइल और अमेरिका समेत नौ देशों ने इसके खिलाफ मतदान किया। अल्बानिया और यूक्रेन समेत 13 देशों ने मतदान प्रक्रिया से दूरी बनाए रखी। प्रस्ताव में "तत्काल, बिना शर्त और स्थायी युद्ध विराम की मांग की गई और सभी बंधकों की तत्काल तथा बिना शर्त रिहाई की मांग दोहराई गई।'' इसमें मांग की गई कि सभी पक्ष सुरक्षा परिषद के जून 2024 के प्रस्ताव के सभी प्रावधानों को पूरी तरह, बिना शर्त और बिना देरी के लागू करें। इन प्रावधानों में ''तत्काल संघर्ष विराम, बंधकों की रिहाई, फलस्तीनी कैदियों की अदला–बदली, मारे गए बंधकों के अवशेषों की वापसी, उत्तरी क्षेत्र सहित गाजा के सभी क्षेत्रों में फलस्तीनी नागरिकों की उनके घरों और इलाकों में वापसी और गाजा से इजराइली सैना की पूरी तरह वापसी'' शामिल हैं।

'कुछ भी हो सकता है', ईरान–अमेरिका युद्ध की आशंकाओं पर ट्रंप का चौंकाने वाला बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। दरअसल टाइम मैग्जीन के साथ एक बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि ईरान के अमेरिका साथ युद्ध की कितनी आशंका है? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि कुछ भी हो सकता है। ट्रंप को टाइम मैग्जीन ने पर्सन ऑफ द ईयर चुना है।

ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध की आशंकाओं से नहीं किया इनकार

ट्रंप ने कहा कि श्कुछ भी हो सकता है। कुछ भी हो सकता है। यह एक बहुत ही अस्थिर स्थिति है।श ट्रंप ने कहा, श्उन्हें लगता है कि फिलहाल सबसे खतरनाक स्थिति यूक्रेन द्वारा रूस के भीतर मिसाइलें दागना है, जिससे लड़ाई और भीषण हो सकती है। गौरतलब है कि अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ट्रंप का रुख ईरान के प्रति खासा सख्त रहा था। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड दल ने ट्रंप की हत्या की धमकी दी थी, जिसके बाद ट्रंप ने ईरान को कड़े शब्दों में धमकी दी थी। हालांकि ईरान ने आरोपों से इनकार किया था। साल 2020 में ट्रंप ने ही ईरान के खिलाफ हवाई हमले की मंजूरी दी थी, जिसमें ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी।

ट्रंप ने ही ईरान के साथ परमाणु समझौता तोड़कर लगाए थे आर्थिक प्रतिबंध

साल 2015 में बराक ओबामा सरकार में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौता हुआ था, लेकिन साल 2018 में ट्रंप ने उस समझौते को तोड़कर ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे, जिससे ईरान की यूरेनियम संवर्धन की क्षमता कम हो गई थी और उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा था। अब जब ट्रंप

फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं तो माना जा रहा है कि अमेरिका फिर से ईरान पर दबाव बढ़ा सकता है। ट्रंप के एक करीबी नेता ने अपने बयान में कहा है कि राष्ट्रपति पद संभालने के बाद पहले दिन से ही ट्रंप, ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति पर काम करेंगे ताकि पश्चिम एशिया में जारी हालात को काबू किया जा सके।

बाइडन प्रशासन को भारत–अमेरिका संबंधों को द्विदलीय समर्थन जारी रहने की उम्मीद : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन को उम्मीद है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान भी भारत–अमेरिका संबंधों के लिए द्विदलीय समर्थन जारी रहेगा। व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक कार्यालय एवं आवास) ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इस द्विपक्षीय संबंध को बढ़ाने के लिए दोनों दलों का मजबूत समर्थन रहा है। मैं उम्मीद करता हूं कि यह जारी रहेगा।'' उन्होंने कहा कि निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन को इस बात पर बहुत गर्व है कि उनके प्रशासन के दौरान भारत के साथ अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में कितना बदलाव आया है। किर्बी ने कहा, ''मेरा मतलब है, हमने हिंद–प्रशांत क्वाड को ऊपर उठाया है। मुझे नहीं पता कि क्वाड के अंदर और प्रधानमंत्री (भारत के नरेन्द्र मोदी) के साथ द्विपक्षीय रूप से अब तक उनकी कितनी बैठकें हुई हैं।'' किर्बी ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमारे संबंधों में बहुत कुछ ऐसा है जिससे सैन्य से सैन्य, संचार... लोगों के बीच संबंध, आर्थिक संबंध बेहतर हुए हैं।'' क्वाड एवं भारत पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) पर आगामी प्रशासन से बाइडन की क्या अपेक्षाएं हैं? इस पर किर्बी ने कहा, ''यह निर्धारित करना उनके ऊपर होगा कि वे हिंद–प्रशांत क्वाड का लाभ कैसे उठाते हैं।

बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमले के बाद क्या है मोदी सरकार का एक्शन प्लान, ओवैसी के सवाल पर जयशंकर ने दिया तगड़ा जवाब

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार भारत के लिए चिंता का विषय है और नई दिल्ली को उम्मीद है कि ढाका उनकी सुरक्षा के लिए कार्रवाई करेगा। मंत्री ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि बांग्लादेश में नई सरकार भारत के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद स्थिर संबंध स्थापित करेगी। जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार चिंता का विषय रहा है क्योंकि उन पर हमलों की कई घटनाएं हुई हैं। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान कहा कि हमने अपनी चिंताओं की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है। हाल ही में विदेश सचिव ने ढाका का दौरा किया था. उनकी बैठकों में यह विषय उठा। और हमारी अपेक्षा है कि बांग्लादेश अपने हित में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कार्रवाई करेगा। मंत्री ने कहा कि भारत का बांग्लादेश में विकास परियोजनाओं का अच्छा इतिहास है। उन्होंने कहा कि वास्तव में जब हम पड़ोस पहले नीति के बारे में बात करते हैं, तो पाकिस्तान और चीन को छोड़कर लगभग हर पड़ोसी देश में हमारे पास महत्वपूर्ण विकास परियोजनाएं हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।